

RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | शनिवार, 14 नवंबर 2026 | वर्ष: 04, अंक: 303, पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

राहुल गांधी का आरोप- मोदी मेरा फोन टैप करा रहे

राहुल गांधी बोले- आमने-सामने बहस करें, तो मोदी पीएम नहीं रहेंगे; 12 दिन में 7वीं बार दी चुनौती

नई दिल्ली/एजेंसी

राहुल गांधी ने शुक्रवार को पीएम मोदी पर उनका फोन टैप करने का आरोप लगाया। राहुल ने इंस्टाग्राम पर ऑस्क मी सेशन में मोबाइल दिखाते हुए कहा, सबूत यहां है। पीएम जानते हैं कि वह मेरा फोन टैप करा रहे हैं। उन्होंने फिर बहस की चुनौती दी। उन्होंने कहा कि मेरे साथ आमने-सामने की बातचीत के बाद मोदी पीएम पद पर नहीं रहेंगे।

उन्होंने कहा- भाजपा कहती है कि बातचीत संसद में हो सकती है, लेकिन मुझे संसद में बोलने नहीं दिया जाता। मेरा माइक्रोफोन तक बंद कर दिया जाता है। पिछले 12 दिन में यह सातवीं बार है, जब राहुल ने पीएम मोदी को बहस के लिए बोला है। राहुल बोले- भागवत जज हो सकते हैं, भाजपा ने कहा- गंभीरता दिखाएं राहुल ने कहा, 'आपने मुझे कृषि बिलों, वोट चोरी, एसआईआर, चीन, (जनरल) नरवणे की किताब, एपस्टीन पर बात नहीं करने दी। मैं आमने-सामने की बहस चाहता हूं। मैं लंबे भाषणों वाली बहस नहीं चाहता।' उन्होंने कहा कि बहस के दौरान अगर अडाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अडाणी या आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को बहस के लिए जज नियुक्त





पीएम ने हमें नक्सली कहा, मुझसे बहस करें: राहुल गांधी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि जहां गांधी प्रधानमंत्री से बहस के लिए जगह चुनने को कह रहे हैं, वहीं संसद में पहले से ही एक जगह मौजूद है और उन्होंने उनसे लोकसभा में विपक्ष के नेता के रूप में कुछ गंभीरता और जिम्मेदारी दिखाने का आह्वान किया है।

राहुल बोले- पीएम ने हमें नक्सली कहा, मुझसे बहस करें

राहुल गांधी ने पीएम मोदी को किया जाता है तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। उन्हें यह साबित करने में



एक बार फिर खुली बहस की चुनौती दी है। इस बार उन्होंने केवल पांच मिनट लगेंगे कि प्रधानमंत्री एक "गद्दार" हैं।

सीधे सीआरपीएफ के जवानों को टैग करके पोस्ट किया है। भाजपा नेताओं ने गांधी की चुनौती का मजाक उड़ाया है। आरोप लगाया है कि वह संसद में बहस से भागते रहे हैं।

प्रिय सीआरपीएफ के जवानों, आपके चेहरों ने सब बता दिया - आपको प्रधानमंत्री के झूठ पर भरोसा नहीं। उन्होंने हमें नक्सली कहा। मेरी चुनौती कायम है। वो मुझसे बहस करें - देशद्रोही कौन है और विदेशी ताकतों के इशारे पर कौन चल रहा है। कोई भी समय, किसी भी जगह। मेरी गारंटी है उस बहस के बाद प्रधानमंत्री में एक भी जवान के सामने खड़े होने की हिम्मत नहीं होगी

'हंगामा क्यों है बरपा...', मोदी की तारीफ के बाद मचे सियासी बवाल पर बोले सैम पित्रोदा

नई दिल्ली/एजेंसी

ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना गुजराती साथी बताया तो पीएम मोदी ने भी उन्हें दीपावली और गुजरात नव वर्ष की शुभकामनाएं दी। इसको लेकर राजनीतिक बहस छिड़ गई है। अब पित्रोदा ने एक बार फिर से कहा है कि गुजराती साथी होने के नाते वह पीएम मोदी का सम्मान करते हैं। उनके बीच जो मतभेद हैं वह राजनीतिक हैं न कि व्यक्तिगत। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने कहा, "मैं नरेंद्र भाई को लंबे समय से जानता हूं, उनके प्रधानमंत्री बनने से भी पहले से। मैं तो उनके घर भी गया हूं। हम दोनों गुजराती हैं तो हमारा एक खास जुड़ाव है।"

क्यों छिड़ी राजनीतिक बहस?

दरअसल, सैम पित्रोदा लंबे समय से बीजेपी के निशाने पर रहे हैं। सत्ताधारी पार्टी ने कांग्रेस पर देश को नुकसान पहुंचाने के लिए विदेशी ताकतों के साथ मिलीभगत करने का आरोप लगाया है।



1984 सिख दंगा:" 40 साल पहले हुई किसी घटना पर हमें चर्चा क्यों करनी चाहिए?"

इस हफ्ते भी बीजेपी ने हाल के विरोध-प्रदर्शनों को लेकर पित्रोदा और कांग्रेस पर निशाना साधा और विदेशी मिलीभगत का आरोप दोहराया। पित्रोदा ने इस आरोप को सिरे से खारिज करते हुए इसे बेबुनियाद बताया। कांग्रेस नेता 1984 के सिख दंगों पर अपनी टिप्पणी को लेकर भी बीजेपी के निशाने पर आ गए थे, जब उन्होंने कहा था, "40 साल पहले हुई किसी घटना पर हमें चर्चा क्यों करनी चाहिए?" इस तमाम राजनीतिक खींचतान के बीच प्रधानमंत्री और पित्रोदा के बीच की आत्मीयता और एक-दूसरे की तारीफ करना चर्चा और अटकलों का विषय बन गया। प्रधानमंत्री ने गुरुवार को दिवाली और गुजराती नव वर्ष के अवसर पर पित्रोदा को शुभकामनाएं दीं। यह चौंकाने वाली शुभकामना तब आई जब पित्रोदा ने प्रधानमंत्री को अपना गुजराती दोस्त बताया और कहा कि व्यक्तिगत स्तर पर उन्हें प्रधानमंत्री से कोई दिक्कत नहीं है। इस पूरे मामले पर पित्रोदा ने सवाल करते हुए कहा, शुभकामनाओं के आदान-प्रदान पर इतना हंगामा क्यों हो रहा है?

Reg. No.: 0917500106

सत्यम शिवम हास्पिटल

टिकरी, कौड़िहार, प्रयागराज

संचालित सत्यम पब्लिक एजूकेशनल सोसाइटी 9/9/1A लुकरगंज प्रयागराज के द्वारा

नोट :- हमारे यहाँ हर समय विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध है और सभी प्रकार का इलाज कुशलता से किया जाता है।



- 150 बेड की व्यवस्था
- आई0 सी0 यू0
- एन0 आई0 सी0यू0
- आपरेशन थियेटर
- वेन्टीलेटर, वाई0 पैप
- ओ0पी0डी0
- ई0 सी0 जी0
- डिजिटल एक्स-रे
- पैथोलॉजी
- अल्ट्रासाउण्ड
- नार्मल डिलीवरी
- आपरेशन से डिलीवरी की व्यवस्था
- 24 घंटा ऑक्सीजन की सुविधा
- 24 घंटा इमरजेन्सी की सुविधा
- एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध

निर्देशक : संजय शुक्ल

सम्पर्क सूत्र : 9451181332, 9198860735

4

कालेज कोड 01083

सत्यम् शिवम् शुभम् ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स

टिकरी, धरवनपुर, प्रयागराज

सम्बद्ध प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

छात्रवृति की सुविधा भी उपलब्ध है।

Website : http.sssgroup.co.in

हेल्पलाइन नं.: 9451181332, 9198860735





संजय शुक्ल
चेयरमैन

Course
B.A., M.A., B.Sc, M.Sc., (Ag)
B.Com., M.Com., LL.B.
B.A.LL.B., B.Pharma
D.Pharma, ITI, BTC.



राजकुमारी शुक्ला
निर्देशक

1

फार्मासिस्टों ने दवाई वितरण केंद्र पर जड़ा ताला, मरीज हुए परेशान

चिकित्सक पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने और बाहर से महंगी दवाएं लिखने का आरोप

सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर। स्योहारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शुक्रवार को फार्मासिस्टों और चिकित्सक के बीच विवाद के चलते स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो गईं। नाराज फार्मासिस्टों ने दवाई वितरण केंद्र पर ताला लगा दिया और कामकाज बंद कर बाहर खड़े होकर विरोध जताया। अचानक दवा वितरण बंद होने से अस्पताल में दवाई लेने पहुंचे मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। खासकर दूर-दराज के गांवों से आए मरीजों को बिना दवा लिए ही वापस लौटने की स्थिति का सामना करना पड़ा।



विरोध कर रहे फार्मासिस्टों ने सीएचसी के चिकित्सक डॉ. प्रमोद कुमार पर स्टाफ के साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उनका कहना था कि चिकित्सक द्वारा मरीजों को अस्पताल में उपलब्ध सस्ती दवाओं के बजाय बाहर से महंगी दवाएं लिखी जा रही हैं। फार्मासिस्टों ने इस रवैये पर नाराजगी जताते हुए काम बंद कर दिया और दवाई वितरण केंद्र पर ताला लगा दिया।

वहीं, जन औषधि केंद्र के संचालक वरुण कौशिक ने भी चिकित्सक पर आरोप लगाते हुए कहा कि मरीजों को सस्ती जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराने के बजाय बाहर की दवाएं लिखी जा रही हैं। उनके मुताबिक, बाहर लिखी जाने वाली दवाओं में एक खास कंपनी की दवाएं भी शामिल हैं। उन्होंने इस व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए मरीजों को सस्ती दवाएं उपलब्ध कराने की जरूरत बताई।

फार्मासिस्टों के विरोध के दौरान हरीश रोहियाल, योगेश कुमार, जीतेंद्र सिंह, जीतेंद्र रावत, प्रदीप रावत, तुषार चंद्रा, शुभम आयुष्मान, राहुल चौहान, देवेंद्र सिंह और अमित कुमार सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

उधर, चिकित्सक डॉ. प्रमोद कुमार ने अपने ऊपर लगाए गए सभी आरोपों को निराधार बताया। उन्होंने कहा कि वह केवल स्टाफ को अपनी ड्यूटी ईमानदारी और सही तरीके से करने के लिए कहते हैं। कुछ लोगों को उनकी यह बात नागवार गुजरती है, जिसके चलते नाराज होकर उन पर इस तरह के आरोप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना अस्पताल की पहली प्राथमिकता है।

फिलहाल दवाई वितरण केंद्र पर ताला लगने से मरीजों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। अस्पताल में उपचार के लिए पहुंचे मरीजों ने दवा वितरण व्यवस्था प्रभावित होने पर परेशानी जताई।

कार्तिक मेले की तैयारियों का डीएम और एसएसपी ने लिया जायजा, गंगा घाटों का किया निरीक्षण

सुरक्षा, बैरिकेडिंग, प्रकाश और यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखने के दिए निर्देश, श्रद्धालुओं से सुरक्षित स्थानों पर स्नान करने की अपील

सबसे तेज प्रयागराज



बुलंदशहर। कार्तिक मेले में गंगा स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधाओं को लेकर शुक्रवार को जिलाधिकारी कुमार हर्ष और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने अनूपशहर क्षेत्र के गंगा घाटों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने मेले की तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान गंगा घाटों पर बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण और श्रद्धालुओं के आवागमन की व्यवस्थाओं को देखा गया। अधिकारियों ने गहरे पानी और जोखिम वाले स्थानों पर चेतावनी संकेतक लगाने तथा स्नान के लिए सुरक्षित स्थान निर्धारित करने के निर्देश दिए। साथ ही मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए यातायात व्यवस्था और पार्किंग को व्यवस्थित रखने पर जोर दिया।

डीएम और एसएसपी ने नगर पालिका, विद्युत विभाग और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ साफ-सफाई, पेयजल, बिजली और संपर्क मार्गों की स्थिति पर भी चर्चा की। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय बनाकर समय से तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा तथा आपातकालीन वाहनों के आवागमन को लेकर भी विशेष सतर्कता बरतने को कहा।

दंगा नियंत्रण का अभ्यास कर पुलिसकर्मियों को सिखाए सुरक्षा के तरीके

एसपी ने उपकरणों के इस्तेमाल और भीड़ नियंत्रण का कराया अभ्यास, संयम के साथ न्यूनतम बल प्रयोग करने के दिए निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज



कौशाम्बी। पुलिस लाइन में शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण ने पुलिसकर्मियों को दंगा नियंत्रण का अभ्यास कराया। इस दौरान पुलिसकर्मियों को बलवा और दंगे जैसी परिस्थितियों से निपटने के साथ भीड़ नियंत्रित करने और कानून व्यवस्था बनाए रखने का प्रशिक्षण दिया गया।

अभ्यास के दौरान दंगा नियंत्रण उपकरणों के इस्तेमाल, पुलिस टुकड़ियों की भूमिका और आपसी समन्वय के बारे में जानकारी दी गई। पुलिसकर्मियों को निर्धारित रणनीति के तहत त्वरित कार्रवाई करने का अभ्यास भी कराया गया। एसपी ने विषम परिस्थितियों में संयम और सतर्कता बनाए रखने के साथ न्यूनतम आवश्यक बल का प्रयोग करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी दंगा नियंत्रण से जुड़े उपकरणों और प्रक्रियाओं की नियमित जानकारी रखें, ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति में तत्परता और अनुशासन के साथ जिम्मेदारी निभा सकें। इस अभ्यास का उद्देश्य आपात परिस्थितियों में पुलिस बल की तैयारियों को परखना और कानून व्यवस्था बनाए रखने की क्षमता को मजबूत करना रहा।

स्व-जनगणना को लेकर स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को दिया प्रशिक्षण

स्योहारा के ब्लॉक सभागार में आयोजित हुआ प्रशिक्षण कार्यक्रम, 16 नवंबर से 30 नवंबर तक चलेगा स्व-जनगणना अभियान

संजीव विश्वकर्मा सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर। स्योहारा मैं आगामी 16 नवंबर से शुरू होने वाले स्व-जनगणना अभियान को सफल बनाने के लिए शुक्रवार को विकासखंड स्योहारा के ब्लॉक सभागार में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) श्री अरुण कुमार ने की। इस दौरान एडीओ पंचायत अनिल कुमार सिंह ने स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को स्व-जनगणना की प्रक्रिया एवं उसके महत्व की विस्तार से जानकारी दी।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्योहारा के अधिकारी-कर्मचारी, कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर (सीएचओ), एएनएम, आशा संगिनी एवं आशा कार्यकताओं सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मियों ने प्रतिभाग किया। अधिकारियों ने कर्मचारियों को स्व-जनगणना के ऑनलाइन पंजीकरण, प्रक्रिया तथा इससे जुड़ी आवश्यक जानकारियों के बारे में विस्तारपूर्वक समझाया। प्रशिक्षण में बताया गया कि स्व-जनगणना अभियान 16 नवंबर से 30 नवंबर तक संचालित होगा, जबकि एक दिसंबर से 4 जनवरी 2027 तक फील्ड कार्य एवं जनगणना की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि इस राष्ट्रीय अभियान की सफलता के लिए प्रत्येक परिवार की सहभागिता बेहद जरूरी है। सभी स्वास्थ्यकर्मियों को निर्देश दिए गए कि वे स्वयं अपने परिवार की स्व-जनगणना पूरी करें तथा आसपास के लोगों और आम नागरिकों को भी इसके लिए जागरूक करते हुए जरूरत पड़ने पर सहयोग प्रदान करें।

इस अवसर पर सीएचसी स्योहारा के अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही ने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसमें प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है।

स्वास्थ्य विभाग का मैदानी अमला सीधे आमजन से जुड़ा रहता है, इसलिए सभी कर्मचारी अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए अधिक से अधिक लोगों को स्व-जनगणना के प्रति जागरूक करें। उन्होंने सीएचओ, एएनएम, आशा संगिनी एवं आशा कार्यकताओं से शासन के निदेशों का गंभीरता से पालन करने और अभियान को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

कार्यक्रम में आईओ वीर सिंह, हेल्थ सुपरवाइजर महिपाल सिंह, हेल्थ इंस्पेक्टर राजेश कुमार, बीपीएम शालिनी विश्नोई, आकांक्षा यादव, मोहम्मद सादिक, चंद्रशेखर, आरिफ, कार्तिक भूरियार, डीईओ अनम, राशि सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

एसपी ने साप्ताहिक परेड की ली सलामी, पुलिस लाइन का किया निरीक्षण

पुलिसकर्मियों को शारीरिक और मानसिक रूप से फिट रहने के दिए निर्देश, वाहनों और अभिलेखों की भी जांच की

सबसे तेज प्रयागराज



फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने शुक्रवार को पुलिस लाइन स्थित परेड ग्राउंड में साप्ताहिक परेड की सलामी ली और परेड का निरीक्षण किया। इस दौरान पुलिस कार्यालय की विभिन्न शाखाओं, यातायात शाखा और पुलिस लाइन में तैनात अधिकारी व कर्मचारी शामिल रहे।

परेड के दौरान पुलिसकर्मियों को शारीरिक और मानसिक रूप से चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए दौड़ कराई गई। एसपी ने टोलीवार ड्रिल का निरीक्षण करते हुए अनुशासन और एकरूपता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से परेड को और प्रभावी बनाने को कहा।

इसके बाद एसपी ने पुलिस लाइन स्थित क्वार्टर गार्ड, परिवहन शाखा और पीआरवी वाहनों का निरीक्षण किया। साप्ताहिक अर्दली रूम के दौरान विभिन्न रजिस्टरों और अभिलेखों की जांच कर संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर क्षेत्राधिकारी लाइन सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

चरवा पुलिस ने चार वारंटियों को किया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज





कौशाम्बी। अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत चरवा पुलिस ने अलग-अलग मुकदमों में वांछित चार वारंटियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, पहली कार्रवाई में मु0अ0सं0 483/2017 से संबंधित तीन वारंटियों राम प्रताप पुत्र स्व. सम्पत लाल, दीपक पुत्र राम प्रताप और रनिया पत्नी राम प्रताप निवासी सिरियावां गला को गिरफ्तार किया गया।

वहीं, दूसरी कार्रवाई में विद्युत अधिनियम से संबंधित वारंटी रज्जन पुत्र स्व. शोभा लाल निवासी बलीपुर टाटा को पुलिस ने गिरफ्तार किया। चारों आरोपियों को थाना चरवा पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर आगे की विधिक कार्रवाई की।

कुल्हाड़ी से ससुर पर हमला करने वाली बहू गिरफ्तार, छत से धक्का देने का आरोपी भी पकड़ा

सबसे तेज प्रयागराज



कौशाम्बी। कोखराज और मंझनपुर पुलिस ने शुक्रवार को हत्या के प्रयास के दो अलग-अलग मामलों में वांछित एक महिला समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपियों को मुखबिर की सूचना पर दबिश देकर पकड़ा गया।

कोखराज थाना क्षेत्र के रामपुर सुहेला गांव में पारिवारिक विवाद के दौरान रीता देवी ने अपने ससुर लल्लू सिंह के बेटे अतर सिंह पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया था। हमले में अतर सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। मामले में 11 नवंबर को मुकदमा दर्ज किया गया था। शुक्रवार को पुलिस ने आरोपी रीता देवी पत्नी अतर सिंह को परसरा पुल के पास से गिरफ्तार कर लिया।

उधर, मंझनपुर पुलिस ने चमनगंज निवासी गोलू पुत्र गया प्रसाद उर्फ मोदी को दुर्गा मंदिर के पास से गिरफ्तार किया। आरोप है कि 23 मई को उसने खुर्शीद की बेटी को छत से धक्का दे दिया था। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई थी। इस मामले में दो जून को हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस दोनों आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई कर रही है।

छठ पूजा पर रेलवे स्टेशनों पर बढ़ेगी सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन के लिए डीजी ने दिए निर्देश



सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। छठ पूजा और स्थानीय मेलों के दौरान रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की जाएगी। शुक्रवार को पुलिस महानिदेशक रेलवे प्रकाश डी ने ऑनलाइन समीक्षा बैठक कर अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में पुलिस महानिरीक्षक रेलवे लखनऊ रामकृष्ण भारद्वाज, अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार और आईजी रेलवे प्रयागराज एन. कोलांची समेत रेलवे के पुलिस उपाधीक्षक शामिल हुए। डीजी ने कहा कि छठ पूजा के दौरान स्टेशनों पर यात्रियों की संभावित भीड़ का पहले से आकलन कर प्रभावी कार्ययोजना तैयार की जाए। जरूरत के अनुसार अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर जवानों को ड्यूटी से पहले ब्रीफ किया जाए।

उन्होंने स्टेशनों पर प्रवेश और निकास द्वार पर विशेष निगरानी रखने तथा भीड़ अधिक होने पर होल्डिंग एरिया बनाने के निर्देश दिए। सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन, एचएचएमडी और बॉडी वार्न कैमरों समेत आधुनिक संसाधनों का इस्तेमाल करने को कहा। साथ ही स्थानीय मेलों के मद्देनजर त्योहार रजिस्टर का अवलोकन कर पहले से सुरक्षा इंतजाम पूरे करने के निर्देश दिए। अधिकारियों से यात्रियों का आवागमन सुगम और सुरक्षित बनाए रखने पर विशेष ध्यान देने को कहा गया।

16 नवंबर से शुरू होगी स्वगणना, 30 तक चलेगा अभियान



पंचायत भवनों में बनेंगे हेल्प डेस्क, प्रचार के लिए रैली और सोशल मीडिया का लिया जाएगा सहारा

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। जनगणना-2027 के दूसरे चरण में स्वगणना की प्रक्रिया 16 से 30 नवंबर तक चलेगी। इसके व्यापक प्रचार-प्रसार और सफल संचालन के लिए शुक्रवार को सरस हॉल में मुख्य विकास अधिकारी एवं अपर प्रमुख जनगणना अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी ने संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने सभी खंड विकास अधिकारियों और अधिशासी अधिकारियों को अभियान को लेकर जरूरी निर्देश दिए।

सीडीओ ने कहा कि ग्राम पंचायतों और नगर निकायों में मीडिया, सोशल मीडिया, रैली, डुग्गी पिटवाकर और पब्लिक एड्रेस सिस्टम के जरिए लोगों को स्वगणना के प्रति जागरूक किया जाए। पंचायत भवनों में हेल्प डेस्क बनाकर लोगों को स्वगणना करने में मदद दी जाए। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को भी तय समय में अपनी स्वगणना पूरी करने का निर्देश दिया।

बैठक में बताया गया कि स्वगणना के दौरान लोगों से 40 सवाल पूछे जाएंगे। इनमें परिवार, शिक्षा, भाषा, रोजगार, जन्म और पलायन से जुड़ी जानकारियां शामिल हैं। इसके अलावा आयु, वैवाहिक स्थिति, जाति, मातृभाषा, व्यवसाय, जन्म स्थान और पिछले निवास का विवरण भी देना होगा। आधार, वोटर आईडी, पासपोर्ट और ड्राइविंग लाइसेंस से संबंधित जानकारी भी मांगी जाएगी।

सीडीओ ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय से अभियान चलाएं, ताकि अधिक से अधिक लोग स्वगणना में हिस्सा लें और जनगणना का यह चरण समय से पूरा हो सके।

कप्तान ने परेड की ली सलामी, पुलिस लाइन की विभिन्न शाखाओं का किया निरीक्षण

मेस से लेकर शस्त्रागार और डायल-112 वाहनों की जांच की, डॉग स्क्वॉड के रखरखाव की भी ली जानकारी

स्वाती मिश्रा सबसे तेज प्रयागराज



कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण ने शुक्रवार को पुलिस लाइन में आयोजित साप्ताहिक परेड की सलामी ली। इसके बाद टोलीवार परेड का निरीक्षण कर पुलिसकर्मियों के टर्नआउट, अनुशासन और कार्यकुशलता का जायजा लिया। इस दौरान पुलिसकर्मियों को दौड़ और टोलीवार ड्रिल कराकर उनकी शारीरिक दक्षता का परीक्षण किया गया।

परेड के बाद एसपी ने पुलिस लाइन स्थित मेस का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता और साफ-सफाई व्यवस्था देखी। इसके अलावा पुलिस लाइन कार्यालय, गणना कार्यालय, एमटी शाखा, परिवहन शाखा और शस्त्रागार का निरीक्षण किया। उन्होंने डायल-112 वाहनों की कार्यशीलता और रखरखाव की स्थिति भी जांची।

एसपी ने एस्कॉर्ट डॉग और डॉग स्क्वॉड की कार्यप्रणाली का भी जायजा लिया। इस दौरान डॉग्स के खान-पान, प्रशिक्षण, रखरखाव और उन्हें उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान एसपी ने पुलिस लाइन परिसर में साफ-सफाई, अनुशासन, वाहनों के उचित रखरखाव और पुलिसकर्मियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

आठ मामलों की सुनवाई, दो दंपतियों में कराया समझौता

सबसे तेज प्रयागराज



कौशाम्बी। परिवार परामर्श केंद्र में शुक्रवार को पारिवारिक विवादों से जुड़े आठ मामलों में पति-पत्नी और उनके परिजनों की काउंसलिंग की गई। पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण के निर्देशन में हुई काउंसलिंग के दौरान दो मामलों में दोनों पक्षों की आपसी सहमति से सुलह-समझौता कराया गया।

परामर्श केंद्र की टीम ने दोनों दंपतियों को आपसी प्रेम, विश्वास और सौहार्द के साथ पारिवारिक जीवन बिताने की सलाह दी। वहीं, अन्य मामलों में भी दोनों पक्षों की समस्याएं सुनकर उन्हें उचित परामर्श दिया गया।

इस दौरान महिलाओं और बालिकाओं को मिशन शक्ति, महिला सुरक्षा और साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही मतदान के महत्व की जानकारी दी गई। पुलिस टीम ने आपात स्थिति में सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर 112, 1076, 1090, 181, 1930, 1098 और 102 की जानकारी भी दी।

चौराहे पर भटक रही दो साल की मासूम को पुलिस ने मां से मिलाया

सबसे तेज प्रयागराज



फतेहपुर। खागा में मिशन शक्ति टीम ने संवेदनशीलता दिखाते हुए रास्ता भटक गई दो साल की मासूम बच्ची को सकुशल उसकी मां से मिलाया। शुक्रवार को एक जागरूक नागरिक बच्ची को थाना खागा स्थित मिशन शक्ति केंद्र लेकर पहुंचा था।

बताया कि बच्ची चौराहे पर करीब आधे घंटे से अकेली खड़ी थी। वह अपने परिजनों से बिछड़ गई थी। सूचना मिलते ही मिशन शक्ति टीम ने बच्ची के परिजनों की तलाश शुरू कर दी। पुलिसकर्मियों ने प्रयास कर उसकी मां का पता लगा लिया और बच्ची को सकुशल उनके सुपुर्द कर दिया।

पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में मिशन शक्ति फेज-6 के तहत हुई इस कार्रवाई की सराहना की जा रही है। फतेहपुर पुलिस ने महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के साथ जरूरतमंदों को त्वरित सहायता देने की प्रतिबद्धता दोहराई है।

चांदपुर में अज्ञात वाहन की टक्कर से पति-पत्नी की मौत

बीमार रिश्तेदार को देखने आए थे, बाइक से घर लौटते समय हादसा; चालक फरार

सबसे तेज प्रयागराज





बिजनौ। चांदपुर में शुक्रवार दोपहर अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार पति-पत्नी की मौत हो गई। दोनों एक बीमार रिश्तेदार को देखने आए थे और अपने गांव लौट रहे थे।

हादसा चांदपुर-धनौरा मार्ग पर बागड़पुर गांव के पास हुआ। मृतकों की पहचान अमरोहा जिले के बछरायूं गांव के मोहल्ला फकीरों वाला निवासी इरशाद पुत्र गफ्फार और उनकी पत्नी अंजुम के रूप में हुई है।

टक्कर मारने के बाद दोनों को कुचलकर भागा चालक

परिजनों के मुताबिक, अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। इसके बाद दोनों को कुचलते हुए चालक वाहन लेकर फरार हो गया। चांदपुर थाना प्रभारी सुधीर पंवार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि दंपती चांदपुर की ओर से जा रहे थे। इरशाद की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अंजुम ने बाद में दम तोड़ दिया।

फरार वाहन चालक की तलाश में जुटी पुलिस

इरशाद मजदूरी करके परिवार का पालन-पोषण करते थे। उनके चार छोटे बच्चे हैं, जिनमें एक बेटा और तीन बेटियां शामिल हैं। हादसे के बाद परिवार में मातम छा गया। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी के मुताबिक, फरार वाहन चालक की तलाश की जा रही है।

खेत में मिला ट्रैक्टर चालक का शव, हत्या की आशंका से सनसनी

ट्रैक्टर से 40 मीटर दूर पड़ा था शव, मुंह-नाक से निकला था खून; डॉग स्क्वायड ने की जांच





सबसे तेज प्रयागराज

नवाबगंज। दुबरा जगदीशपुर गांव में शुक्रवार सुबह खेत में ट्रैक्टर चालक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान गांव निवासी भाईलाल प्रजापति (42) पुत्र बांकेलाल के रूप में हुई। उनका शव ट्रैक्टर से करीब 40 मीटर दूर पड़ा था। मुंह और नाक से खून निकल रहा था, जबकि गले पर कट का निशान मिला। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने डॉग स्क्वायड और फॉरेंसिक टीम के साथ जांच की।

भाईलाल गुरुवार शाम ट्रैक्टर लेकर खेत की जुताई करने गए थे। देर रात तक घर नहीं लौटे तो परिजनों ने समझा कि वह खेत में काम कर रहे होंगे। शुक्रवार सुबह ग्रामीण खेत पहुंचे तो ट्रैक्टर सुरक्षित खड़ा मिला। भाईलाल वहां नहीं थे। तलाश करने पर करीब 40 मीटर दूर उनका शव मिला। जानकारी होने पर इंस्पेक्टर नवाबगंज पंकज अवस्थी और एसीपी थरवई पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए।

परिजनों के मुताबिक, भाईलाल के पास दो ट्रैक्टर थे। वह खुद जुताई करने के साथ दूसरों से भी काम करवाते थे। उनकी किसी से रंजिश नहीं थी। वह अपने पीछे पत्नी शशिप्रभा और तीन बेटे अंकित, अभिषेक व विवेक को छोड़ गए हैं।

जुताई वाले खेतों के मालिकों से पूछताछ

पुलिस गुरुवार रात भाईलाल ने जिन खेतों की जुताई की थी, उनके मालिकों से पूछताछ कर रही है। यह पता लगाया जा रहा है कि आखिरी बार उन्हें किसने देखा था और रात में उनके साथ कौन था। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए तहरीर दी है।

रात में खेत जोतने निकला, सुबह मिला शव

भाई लाल प्रजापति गुरुवार रात ट्रैक्टर लेकर खेत की जुताई करने निकला था। देर रात तक घर नहीं लौटने पर परिजन चिंतित थे। शुक्रवार सुबह खेत में उसका शव मिलने की खबर पहुंची तो परिवार में चीख-पुकार मच गई। शव पर चोटों के निशान देखकर ग्रामीणों ने हत्या की आशंका जताई।

पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि युवक की मौत हादसे में हुई या इसके पीछे कोई आपराधिक साजिश है।

पिता के इकलौते बेटे की मौत से बांकेलाल बदहवास हो गए। पत्नी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल रहा।

15 माह की देरी पर कंपनी पर 5.50 करोड़ की पेनाल्टी

माघ मेले से पहले 20 दिसंबर तक पूरा करना होगा पंपिंग स्टेशन का काम, गंदगी पर सुपरवाइजर निलंबित

हनुमान प्रसाद शुक्ल



प्रयागराज। माघ मेला-2027 की तैयारियों में देरी पर मंडलायुक्त डॉ. लोकेश एम. ने सख्त रुख अपनाया है। शुक्रवार को सलोरी एसटीपी के तहत बन रहे 32 एमएलडी क्षमता के मेन पंपिंग स्टेशन का निरीक्षण किया। करीब 15 माह की देरी पर कार्यदायी संस्था मेसर्स एचएनबी महाराष्ट्र पर परियोजना लागत का पांच प्रतिशत यानी करीब 5.50 करोड़ रुपये की पेनाल्टी लगाने के निर्देश दिए।

अमिताभ बच्चन पुलिया के पास बन रहे पंपिंग स्टेशन का निर्माण अगस्त 2025 तक पूरा होना था। काम पूरा नहीं होने पर मंडलायुक्त ने नाराजगी जताई। उन्होंने 20 दिसंबर 2026 तक निर्माण पूरा कर ट्रायल रन शुरू कराने की समयसीमा तय की।

इसके बाद उन्होंने नागवासुकी मंदिर के पास कॉस्टल रोड और सैदाबाद स्थित नगर निगम के कूड़ा संग्रहण केंद्र का निरीक्षण किया। दोनों जगह गंदगी और कूड़े का ढेर मिलने पर अधिकारियों को फटकार लगाई। नगर आयुक्त को जिम्मेदार कर्मचारियों पर कार्रवाई के निर्देश दिए। संबंधित जेडएसओ और सफाई एवं खाद्य निरीक्षक से स्पष्टीकरण मांगने के साथ क्षेत्रीय सुपरवाइजर को निलंबित करने के निर्देश दिए गए।

मंडलायुक्त ने कहा कि माघ मेले से पहले सीवरेज, सफाई और कूड़ा निस्तारण की व्यवस्थाएं दुरुस्त कर ली जाएं। कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त साई तेजा और संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

धूमनगंज में 28 ग्राम स्मैक के साथ महिला गिरफ्तार

25 पुड़िया स्मैक, दो मोबाइल और 850 रुपये बरामद, एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज

सबसे तेज प्रयागराज



प्रयागराज। धूमनगंज पुलिस ने शुक्रवार को मायरगंज में छापेमारी कर एक महिला को स्मैक के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके कब्जे से 25 पुड़िया स्मैक (कुल 28 ग्राम), दो मोबाइल फोन और 850 रुपये नकद बरामद किए हैं।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार महिला की पहचान मायरगंज निवासी मुन्नी देवी उर्फ लिल्लाइन (46) पत्नी रवि कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे उसके घर से गिरफ्तार किया। बरामदगी के आधार पर धूमनगंज थाने में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार, महिला के खिलाफ वर्ष 2024 में भी धूमनगंज थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था।

गिरफ्तारी करने वाली टीम में

थाना प्रभारी राजीव कुमार वैस, चौकी प्रभारी नीवा कपिल द्विवेदी, महिला उपनिरीक्षक सपना चौरसिया, वरुणा राठौर समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

पांच साल से लंबित राजस्व मुकदमों को प्राथमिकता से निपटाएं : डीएम

ग्राम समाज की जमीन से अवैध कब्जे हटाने और वरासत के मामलों के निस्तारण के निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज



प्रयागराज। पांच और तीन साल से अधिक समय से लंबित राजस्व वादों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए। इसमें किसी तरह की लापरवाही न बरती जाए। शुक्रवार को संगम सभागार में राजस्व कार्यों की तहसीलवार समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने अधिकारियों को यह निर्देश दिए।

डीएम ने सभी एसडीएम को ग्राम समाज की जमीन पर अवैध कब्जे से जुड़ी शिकायतों का प्राथमिकता से निस्तारण करने को कहा। उन्होंने निर्विवादित वरासत के मामलों को शत-प्रतिशत निस्तारित करने और दाखिल-खारिज के बाद खतौनी में अमलदरामद की प्रक्रिया भी समय से पूरी करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने आय, जाति और निवास प्रमाणपत्र से जुड़े आवेदनों को निर्धारित समयसीमा में निस्तारित करने को कहा। साथ ही फार्मर रजिस्ट्री के काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य राजस्व अधिकारी, अपर जिलाधिकारी, एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार समेत संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

फूलपुर में लाखो रुपए का गमन करने वाले सचिव के खिलाफ एफआइआर दर्ज करने की मांग

प्रधानों ने दी चेतावनी,एक सप्ताह का दिया गया समय

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जबरजस्त, आक्रामक आदेश जारी किया है। किन्तु फूलपुर में बेलगाम कर्मचारी अभी भी बेझिझक लूट खसोट एवं भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। ऐसे भ्रष्ट कर्मचारियों के खिलाफ एफआइआर दर्ज कर जेल भेजने की आवश्कता है। फूलपुर ब्लॉक में तैनात ग्राम पंचायत सचिव स्मृति तृप्ति द्वारा गत दिनों ग्राम पंचायत तिसौरा, अहियापुर, लिलहट गांव में ग्राम विकास के लिए आया लाखो रुपए बिना ग्राम प्रधान के जानकारी के बिना कुछ काम कराए फर्जी फर्म पे भुकतान कर गमन कर लिया। जानकारी होने पर ग्राम प्रधानों के होश उड़ गए। ब्लॉक से लेकर जिले तक भाग दौड़ करने के बाद अखिल भारतीय ग्राम प्रधान संघठन के पहल पर उक्त ग्राम पंचायत सचिव को निलंबित तो कर दिया गया। किन्तु अभी तक ना तो उक्त कर्मचारी के खिलाफ एफआइआर दर्ज हुआ। और ना ही 15 से 16 लाख रुपए सरकारी पैसे ग्राम पंचायत के खातों में वापस किया जा सका।

लंबित मांगों को लेकर फार्मासिस्टों का सीएमओ कार्यालय पर धरना

पदनाम परिवर्तन, वरिष्ठता सूची जारी करने और पदोन्नति की प्रक्रिया पूरी करने की मांग, 20 नवंबर को लखनऊ में करेंगे प्रदर्शन

सबसे तेज प्रयागराज



प्रयागराज। लंबित मांगों को लेकर शुक्रवार को डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन की जिला शाखा ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) कार्यालय पर एक दिवसीय धरना दिया। इसमें जिले के प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, जिला अस्पताल, जिला महिला अस्पताल समेत सभी राजकीय चिकित्सालयों में कार्यरत फार्मासिस्ट, चीफ फार्मासिस्ट और प्रभारी अधिकारी फामेर्सी शामिल हुए।

धरने में फार्मासिस्ट संवर्ग की वित्तीय और गैर वित्तीय मांगें लंबे समय से लंबित रहने पर नाराजगी जताई गई। वक्ताओं ने कहा कि शासन और महानिदेशालय की उदासीनता के कारण पदनाम परिवर्तन, वरिष्ठता सूची जारी करने और उच्च पदों पर पदोन्नति जैसी महत्वपूर्ण मांगों पर अब तक निर्णय नहीं लिया गया है। वार्ता के दौरान आश्वासन मिलने के बावजूद कार्रवाई नहीं होने से कर्मचारियों में आक्रोश है।

एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री से मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की। चेतावनी दी कि मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो 20 नवंबर को लखनऊ में महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं के कार्यालय के सामने प्रदेशव्यापी धरना दिया जाएगा। इसके बाद धरनास्थल से ही अगले चरण के आंदोलन और हड़ताल की घोषणा की जाएगी।

धरने में जिला अध्यक्ष रणविजय सिंह और मंत्री हरिओम नारायण सिंह समेत बड़ी संख्या में फार्मासिस्ट मौजूद रहे।

16 नवंबर से घर बैठे कर सकेंगे स्व-गणना, एक दिसंबर से घर पहुंचेंगे प्रगणक



सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। जनगणना-2027 के दूसरे चरण की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसके तहत 16 से 30 नवंबर तक लोग घर बैठे अपनी और परिवार की स्व-गणना कर सकेंगे। शुक्रवार को संगम सभागार में डीएम मनीष कुमार वर्मा ने अधिकारियों के साथ बैठक कर अभियान के प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए।

डीएम ने बताया कि स्व-गणना के लिए se.census.gov.in पोर्टल उपलब्ध रहेगा। इसके बाद एक दिसंबर 2026 से चार जनवरी 2027 तक प्रगणक घर-घर जाकर मोबाइल ऐप के जरिए जनगणना करेंगे। उन्होंने सभी विभागों, बैंकों और शिक्षण संस्थानों को अपने कर्मचारियों और विद्यार्थियों को स्व-गणना के लिए जागरूक करने को कहा।

डीएम ने निर्देश दिया कि स्व-गणना पूरी होने के बाद इसकी सूचना जिला जनगणना कार्यालय को दी जाए। सार्वजनिक स्थानों पर बैनर और पोस्टर लगाकर भी लोगों को जागरूक किया जाए। बैठक में सीडीओ हर्षिका सिंह, एडीएम विनीता सिंह और सहायक निदेशक जनगणना जितेंद्र श्रीवास्तव समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

चोरी के सामान के साथ तीन युवक गिरफ्तार, बाइक बैटरी, कॉपर तार बरामद

सबसे तेज प्रयागराज



प्रयागराज। धूमनगंज पुलिस ने चोरी के एक मामले में तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 2.5 किलोग्राम कॉपर का तार, दो एक्साइड बैटरी, दो लोहे के गेट और एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की है। तीनों को शुक्रवार को सूबेदारगंज रेलवे वर्कशॉप के पास से मुखबिर की सूचना पर पकड़ा गया।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के देवघाट निवासी विजय सिंह चौहान (22), राजू उर्फ बल्ले (18) और छोटू सिंह चौहान (26) के रूप में हुई है। तीनों धूमनगंज थाने में दर्ज चोरी के मुकदमे में वांछित थे। बरामद सामान में चोरी का कॉपर तार, दो बैटरी और लोहे के गेट शामिल हैं। इसके अलावा पुलिस ने एक मोटरसाइकिल भी बरामद की है।

पुलिस ने बताया कि तीनों आरोपियों के खिलाफ पहले भी धूमनगंज और सोरांव थानों में चोरी से संबंधित मुकदमे दर्ज हैं। इस मामले में बीएनएस की धारा 317(2) की बढ़ोतरी करते हुए आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक उमेश चन्द्र पटेल, अजय कुमार सिंह समेत पुलिसकर्मी शामिल रहे।

आईजीआरएस में खराब फीडबैक पर डीएम नाराज, मांगा स्पष्टीकरण

सबसे तेज प्रयागराज



प्रयागराज। आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही और खराब फीडबैक मिलने पर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने नाराजगी जताई। शुक्रवार को संगम सभागार में समीक्षा बैठक के दौरान अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत और खान निरीक्षक के अनुपस्थित रहने पर स्पष्टीकरण मांगा। वहीं, वरिष्ठ निरीक्षक विधिक बाट-माप समेत खराब फीडबैक वाले अधिकारियों से भी जवाब तलब किया।

डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिकायतों का निस्तारण तय समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से किया जाए। निस्तारण के बाद शिकायतकताओं से फोन पर बात कर उनका फीडबैक भी लिया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों का केवल पोर्टल पर निस्तारण दिखाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि शिकायतकर्ता की संतुष्टि भी जरूरी है।

उन्होंने लंबित शिकायतों को प्राथमिकता से निस्तारित करने और बार-बार आने वाली शिकायतों के कारणों का पता लगाकर स्थायी समाधान करने के निर्देश दिए। डीएम ने चेतावनी दी कि आईजीआरएस शासन की प्राथमिकता है। इसमें लापरवाही या देरी मिलने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में एडीएम, एसडीएम, तहसीलदार और विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

शिक्षा के साथ बच्चो के सेहत का ध्यान रख रही सरकार



सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। उत्तर प्रदेश सरकार बेसिक शिक्षा विभाग पर शिक्षा की गुणवकता के साथ ही बच्चो के सेहत पर भी विशेष जोर दे रही है। जिसके चलते सरकारी प्राथमिक विद्यालयों एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालयों में प्रत्येक दिन अलग अलग पकवान बनवा कर बच्चो को परोसा जा रहा है। एक तरफ जहां प्राइवेट स्कूलों में भारी भरकम फीस लेकर अभिभावकों को लालीपाप दिखा कर प्राइवेट स्कूल मालिक भविष्य का केवल सपना दिखा रहे है। वही शिक्षा के नाम पर कोई योग्य अध्यापक भी उनके पास उपलब्ध नहीं रहते है। जबकि सरकार के परसदीय स्कूलों में बेहतर शिक्षा के लिए योग्य अध्यापक उपलब्ध रहने के साथ ही गुणवक्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करने के साथ ही बच्चो को प्रत्येक सोमवार को दोपहर में बेहतर भोजन के साथ फल भी उपलब्ध कराया जाता है। वही मगंलवार को दाल फ्राई के साथ चावल खिलाया जाता है। तथा बुधवार को मिक्स तहरी के साथ दूध भी उपलब्ध कराया जाता है। ब्रस्पतिवार को सब्जी रोटी वा शुक्रवार को तहरी के साथ हल्लुवा वा उपमा उपलब्ध कराया जाता है। वही शनिवार को भी बेहतर भोजन बच्चो को परोसा जाता है। जब कि अच्छी शिक्षा के साथ कम्प्यूटर का भी ज्ञान कराया जाता है। पूर्व माध्यमिक विद्यालय कोडापुर के प्रधानाध्यापक विक्रम विरांची ने बताया कि। उनके यहां इंग्लिश मीडियम की पढ़ाई के साथ ही कम्प्यूटर क्लास भी चलाया जाता है। प्रधानाध्यापिका सीमा भारतीय, श्रद्धा सिंह, अनीता पाल ने कहा की सरकारी स्कूलों में बेहतर शिक्षा के साथ बच्चो के स्वास्थ का विशेष ध्यान भी रखा जाता है।

राजस्व वसूली में पिछड़े मंडी सचिव और बाट-माप अधिकारी का वेतन रोकने के निर्देश

डीएम ने मांगा स्पष्टीकरण, लक्ष्य पूरा करने के लिए प्रवर्तन कार्रवाई तेज करने को कहा

सबसे तेज प्रयागराज



प्रयागराज। राजस्व वसूली में लक्ष्य से काफी पीछे चल रहे मंडी सचिव और बाट-माप अधिकारी पर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने सख्ती दिखाई है। शुक्रवार को संगम सभागार में कर-करेत्तर की समीक्षा बैठक के दौरान डीएम ने दोनों अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगने और वेतन रोकने के निर्देश दिए।

बैठक में स्टाम्प, आबकारी, परिवहन, विद्युत, खनन, मंडी और बाट-माप समेत विभिन्न विभागों की राजस्व वसूली की समीक्षा की गई। डीएम ने अधिकारियों को लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत वसूली सुनिश्चित करने और प्रवर्तन कार्रवाई में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही बकाया वसूली के लिए जारी आरसी की वसूली भी प्राथमिकता से कराने को कहा। विद्युत विभाग की कम वसूली पर संबंधित अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा गया। वहीं, आबकारी और परिवहन विभाग की मासिक प्रगति कम मिलने पर अधिकारियों को कार्रवाई तेज कर राजस्व लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने जिला आबकारी अधिकारी को शराब की दुकानों का नियमित निरीक्षण करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि दुकानों के बाहर सड़क पर खड़े होकर कोई भी व्यक्ति शराब न पीने पाए। ऐसा पाए जाने पर संबंधित दुकान संचालक को लाइसेंस निरस्त करने के लिए नोटिस जारी किया जाए।

प्रधान संघ ने समस्याओं को लेकर बनाई आंदोलन की रणनीति

मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन , एडीओ पंचायत फूलपुर को सौंपा

मौजी लाल रावत सबसे तेज प्रयागराज



फूलपुर। अखिल भारतीय ग्राम प्रधान संघठन की एक आवश्यक बैठक शुक्रवार को ब्लॉक सभागार फूलपुर में की गई। जिसमे ग्राम पंचायतो/ प्रधान प्रशासकों की समस्याओं को लेकर विस्तार से चर्चा करते हुए। आंदोलन की रणनीत बनाई गई।

बैठक को संबोधित करते हुए। अखिल भारतीय ग्राम प्रधान संघठन के वरिष्ट प्रदेश उपाध्यक्ष सतेंद्र त्रिपाठी ने कहा की ग्राम पंचायतों के विकास कार्यों को गति प्रदान करने के लिए प्रदेश सरकार ने निवर्तमान ग्राम प्रधानों को प्रशासक तो नियुक्त कर दिए किन्तु प्रधानों के अधिकारों का हनन विभागी अधिकारियों द्वारा किए जाने को लेकर प्रधान संघठन में गहरा आक्रोश है। उन्होने कहा की यदि शीघ्र ही प्रधान प्रशासकों के मूल्य अधिकारों को वापस नही किया गया। तो संघठन बड़ा आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। जिसकी जिम्मेदारी विभागि अधिकारियो सहित सरकार की होगी। इस दौरान मुख्यमंत्री को संबोधित 06 सूत्री मांग पत्र/ ज्ञापन जिसमे ग्राम पंचायतों को 2 लाख रुपए तक वित्तीय स्वीकृति प्रदान करने, प्रधान प्रशासकों का मानदेय भुगतान करने , विकास कार्यों की स्वीकृति के लिए प्रक्रिया सरल करने , कल्याण कोष में प्रधान प्रशाशको का अधिकार वापस देने , प्रधान प्रशासकों के परिजनों को 10 लाख तक कैसलेश स्वास्थ सुविधा प्रदान करना, एवं मनरेगा सहित अन्य विकास कार्यों का भुकतान कराए जाने को लेकर खण्ड विकास अधिकारी फूलपुर के अनुपस्थिति में सहायक विकास अधिकारी पंचायत फूलपुर राजेश कुमार सिंह को सौंपा गया। उन्होने ने उक्त ज्ञापन को उचित माध्यम से मुख्यमंत्री तक भेजवाने की बात कही। विशिष्ट अतिथि के रूप में अखिल भारतीय ग्राम प्रधान संघठन के महिला प्रकोष्ट की प्रदेश अध्यक्ष नीलम पथिक ने अपने संबोधन में संघठन की मजबूती पर बल देते हुए कहा की।

संपादकीय

नशा: राष्ट्र की जड़ों को खोखला करने वाली चुनौती

भारत आज विश्व की सबसे युवा आबादी वाले देशों में अग्रणी है। देश की लगभग 65 प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। यह युवा शक्ति भारत की सबसे बड़ी सामर्थ्य, सबसे बड़ी पूंजी और उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। विज्ञान, तकनीक, उद्योग, शिक्षा, खेल और नवाचार के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों के पीछे इसी युवा शक्ति का योगदान है। किंतु विडंबना यह है कि आज यही युवा वर्ग नशे के बढ़ते जाल में फंसता जा रहा है। नशा अब केवल व्यक्तिगत कमजोरी या स्वास्थ्य संबंधी समस्या नहीं रह गया है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता, आर्थिक विकास और सांस्कृतिक मूल्यों के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। देश के विभिन्न भागों में समय-समय पर करोड़ों और अरबों रुपये मूल्य के मादक पदार्थों की बरामदगी यह प्रमाणित करती है कि नशे का कारोबार संगठित अपराध का एक विशाल अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क बन चुका है। विशेष रूप से पंजाब, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, गुजरात तथा पूर्वोत्तर राज्यों में सीमापार से होने वाली तस्करी ने स्थिति को और अधिक गंभीर बना दिया है। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा लगातार हेरोइन, अफीम, चरस, कोकीन तथा सिंथेटिक ड्रग्स की बड़ी खेपों को पकड़ा जाना इस बात का संकेत है कि भारत को नशे के बड़े बाजार के रूप में देखा जा रहा है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो तथा विभिन्न सरकारी रिपोर्टों के अनुसार देश में लाखों युवा किसी न किसी प्रकार के मादक पदार्थों के सेवन के आदी हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा कराए गए एक व्यापक अध्ययन में यह तथ्य सामने आया था कि करोड़ों भारतीय तंबाकू, शराब और अन्य नशीले पदार्थों का सेवन करते हैं तथा उनमें बड़ी संख्या युवाओं की है। चिंता की बात यह है कि स्कूल और कॉलेज स्तर तक नशे की पहुंच बढ़ रही है। अनेक राज्यों में ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां किशोरों को ड्रग्स के वितरण और तस्करी में इस्तेमाल किया गया। नशे के बढ़ते संकट का एक राष्ट्रीय सुरक्षा पक्ष भी है। अनेक सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान प्रत्यक्ष युद्ध में लगातार असफल होने के बाद भारत को अस्थिर करने के लिए आतंकवाद, नकली मुद्रा और नशे की तस्करी जैसे छद्म युद्ध के हथियारों का उपयोग करता रहा है। पंजाब में लंबे समय से सीमा पार से ड्रोन और अन्य माध्यमों द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी के मामले सामने आते रहे हैं। अब जम्मू-कश्मीर में भी नशे के बढ़ते प्रभाव को इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जा रहा है। आतंकवाद की कम होती गतिविधियों के बीच नशे का फैलाव एक नए खतरे के रूप में उभर रहा है, जिसका उद्देश्य युवा पीढ़ी को कमजोर करना और समाज की ऊर्जा को नष्ट करना है।

इसी संदर्भ में जम्मू-कश्मीर में प्रारंभ किया गया नशामुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के नेतृत्व में चल रहा यह अभियान प्रशासनिक कार्रवाई के साथ-साथ सामाजिक सहभागिता पर भी बल देता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों, धार्मिक समूहों तथा आम नागरिकों को जोड़ने का प्रयास किया गया है। कुलगाम सहित कई क्षेत्रों में विभिन्न समुदायों द्वारा इस अभियान को समर्थन दिया जाना इस बात का संकेत है कि नशे जैसी समस्या का समाधान सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। वास्तव में नशे का सबसे दुखद और भयावह प्रभाव युवा पीढ़ी पर पड़ता है। युवा जीवन ऊर्जा, सृजन और सपनों का प्रतीक होता है, किंतु नशा इन सभी संभावनाओं को नष्ट कर देता है। एक बार नशे की गिरफ्त में आने के बाद व्यक्ति धीरे-धीरे अपनी शारीरिक क्षमता, मानसिक संतुलन, आर्थिक स्थिति और सामाजिक प्रतिष्ठा खोने लगता है। उसका आत्मविश्वास कमजोर पड़ जाता है और वह अवसाद, तनाव तथा अपराध की दुनिया की ओर बढ़ सकता है। यही कारण है कि नशा केवल व्यक्ति को नहीं, पूरे परिवार को प्रभावित करता है। परिवार की आर्थिक स्थिति बिगड़ती है, पारिवारिक संबंध टूटते हैं और सामाजिक जीवन में अस्थिरता बढ़ती है।

नशे के विस्तार के पीछे केवल तस्करी जिम्मेदार नहीं है। इसके सामाजिक, आर्थिक और मनोवैज्ञानिक कारण भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। बेरोजगारी, भविष्य की अनिश्चितता, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, पारिवारिक तनाव, सामाजिक विघटन, अकेलापन, मानसिक अवसाद और गलत संगति युवाओं को नशे की ओर धकेलती है। आधुनिक उपभोक्तावादी संस्कृति ने भी कृत्रिम सुख और त्वरित आनंद की मानसिकता को बढ़ावा दिया है। जब जीवन में लक्ष्य, दिशा और सकारात्मक प्रेरणा का अभाव होता है, तब व्यक्ति नशे जैसे विनाशकारी विकल्पों की ओर आकर्षित हो सकता है। नशे और अपराध का संबंध भी अत्यंत गहरा है। अनेक अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि चोरी, लूट, हिंसा, सड़क दुर्घटनाओं और अन्य अपराधों के पीछे नशे की भूमिका बढ़ती जा रही है। नशे की डोज प्राप्त करने के लिए युवा अपराध की राह पर उतर जाते हैं। इससे कानून-व्यवस्था प्रभावित होती है और समाज में असुरक्षा का वातावरण बनता है। सरकारें इस चुनौती से निपटने के लिए अनेक स्तरों पर प्रयास कर रही हैं। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, राष्ट्रीय जांच एजेंसी, सीमा सुरक्षा बल तथा राज्य पुलिस की संयुक्त कार्रवाइयों से कई बड़े ड्रग नेटवर्क ध्वस्त किए गए हैं। पंजाब, राजस्थान, गुजरात और जम्मू-कश्मीर में विशेष अभियान चलाकर तस्करों पर शिकंजा कसा गया है।

टूटते भरोसे के वेंटिलेटर पर देश की परीक्षा व्यवस्था

योगेश कुमार गोयल

भारत में परीक्षा अब केवल योग्यता का आकलन नहीं रह गई है बल्कि यह करोड़ों सपनों की निर्णायक कसौटी बन चुकी है लेकिन जब यही कसौटी बार-बार संदिग्ध हो जाए, जब मेहनत और ईमानदारी की जगह जुगाड़ और माफिया नेटवर्क हावी हो जाएं, तब यह केवल परीक्षा का संकट नहीं बल्कि राष्ट्र के भविष्य का संकट बन जाता है। पेपर लीक के चलते नीट-यूजी 2026 परीक्षा का रद्द होना, सीबीएसई की ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली पर उठे गंभीर सवाल और एसएससी जीडी परीक्षा में धांधली, ये घटनाएं मिलकर यह साबित करती हैं कि भारत की परीक्षा प्रणाली अब गहरे संस्थागत संकट में फंस चुकी है और भारत की परीक्षा प्रणाली अब वेंटिलेटर पर है। नीट-यूजी 2026 का घटनाक्रम तो इस विफलता की सबसे भयावह तस्वीर पेश करता है। लगभग 22.79 लाख छात्रों की मेहनत, उनके परिवारों के त्याग और वर्षों की तैयारी एक झटके में शून्य हो गई। यह केवल एक परीक्षा का रद्द होना नहीं था बल्कि उस विश्वास का टूटना था, जिस पर पूरी शिक्षा व्यवस्था टिकी हुई है। इससे भी अधिक चिंताजनक तथ्य यह है कि इस बार मामला केवल बाहरी गिरोहों तक सीमित नहीं रहा बल्कि जांच में राष्ट्रीय



परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के भीतर तक मिलीभगत के आरोप सामने आए।

सीबीआई की जांच और संसदीय समिति की पूछताछ में यह संकेत मिले हैं कि प्रश्नपत्र तैयार करने और परीक्षा प्रबंधन से जुड़े कुछ अधिकारियों ने मोटी रकम लेकर चुनिंदा छात्रों तक प्रश्नपत्र पहुंचाने का काम किया। यदि ये आरोप सही हैं तो यह केवल भ्रष्टाचार नहीं बल्कि संस्थागत विश्वासघात है। जिस संस्था को निष्पक्षता की गारंटी देनी थी, वही यदि धांधली का हिस्सा बन जाए तो पूरी व्यवस्था का नैतिक आधार ही खत्म हो जाता है। नीट पेपर लीक की प्रकृति भी सामान्य नहीं थी। गेस पेपर के नाम पर लगभग 150 से अधिक प्रश्नों का हूबहू मिल जाना, परीक्षा से पहले 600 अंकों तक के सवालों का प्रसार, व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म्स पर खुलेआम प्रश्नपत्र का घूमना, ये सब किसी संयोग का परिणाम नहीं हो सकते। यह एक संगठित, बहुस्तरीय और तकनीकी रूप से सक्षम नेटवर्क का संकेत है, जो परीक्षा प्रणाली की हर कमजोर कड़ी को भेद चुका है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि 2024 में पेपर लीक के बाद भी कोई ठोस सुधार क्यों नहीं हुआ? सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों, जांच समितियों और सिफारिशों के बावजूद 2026 में स्थिति और बदतर कैसे हो गई? इसका सीधा अर्थ है कि समस्या तकनीकी कम और इच्छाशक्ति की अधिक है। भारत की परीक्षा प्रणाली का ढ़ांचा ही कई स्तरों पर कमजोर है। प्रश्नपत्रों की छपाई से लेकर वितरण तक की प्रक्रिया में निजी एजेंसियों और आउटसोर्स कर्मचारियों की बड़ी भूमिका रहती है। यही वह जगह है, जहां से माफिया नेटवर्क अपनी जड़ें जमाता है। जब प्रश्नपत्र परीक्षा केंद्र तक पहुंचने से पहले ही स्कैन होकर डिजिटल रूप में फैल सकता है तो यह स्पष्ट संकेत है कि सुरक्षा तंत्र केवल कागजों पर मजबूत है, जमीन पर नहीं। दूसरी ओर, कोचिंग उद्योग का अनियंत्रित विस्तार इस संकट को और गहरा कर रहा है। मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाएं अब हजारों करोड़ रुपये का बाजार बन चुकी हैं। इस बाजार में सफलता एक उत्पाद है, जिसे खरीदने के लिए छात्र और अभिभावक किसी भी हद तक जाने को मजबूर हैं। इसी मानसिकता का फायदा उठाकर एजुकेशन माफिया सीक्रेट पेपर, 100 प्रतिशत सलेक्शन गारंटी और इनसाइडर एक्सेस जैसे झूठे वादों के जरिए पूरे सिस्टम को खोखला कर रहा है।

यदि नीट प्रकरण परीक्षा प्रणाली की सुरक्षा पर सवाल खड़ा करता है तो सीबीएसई का ओएसएम विवाद मूल्यांकन प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर चोट करता है। डिजिटल मूल्यांकन को पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से लागू किया गया था लेकिन इसके परिणाम उलटे दिखाई दिए। पास प्रतिशत में गिरावट, मेधावी छात्रों को अपेक्षा से कम अंक मिलना और स्कैन की गई कॉपियों में भारी गड़बड़ियां, ये सब इस बात के संकेत हैं कि तकनीक को बिना पर्याप्त तैयारी और परीक्षण के लागू किया गया। कई छात्रों ने शिकायत की कि उनकी कॉपियां धुंधली थी, कुछ को गलत उत्तर पुस्तिकाएं मिली और कुछ मामलों में तो पूरी कॉपी ही किसी और की थी। यह स्थिति केवल तकनीकी त्रुटि नहीं मानी जा सकती बल्कि यह सरासर गंभीर प्रशासनिक लापरवाही है। यदि एक छात्र की मेहनत को किसी दूसरे की कॉपी से बदल दिया जाए तो यह केवल गलती नहीं है बल्कि उस छात्र के भविष्य के साथ सीधा खिलवाड़ है।

शिक्षा मंत्रालय और बोर्ड भले ही इन खामियों को सीमित मामलों तक बताकर पल्ला झाड़ने की कोशिश करें।

कोचिंग संस्कृति के चौराहे पर शिक्षा, शिक्षा नहीं, ब्रांड बिक रहे हैं

डॉ. प्रियंका सौरभ

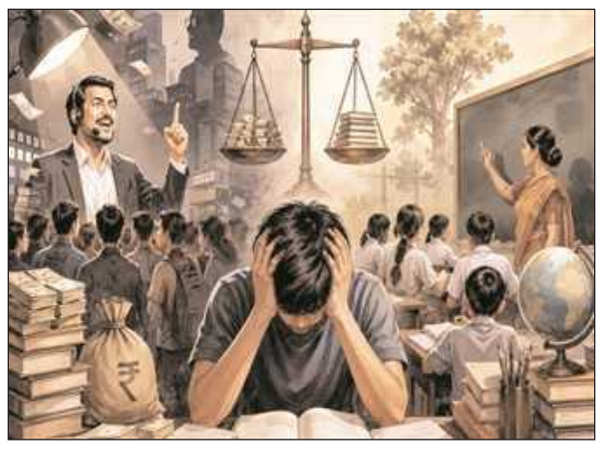
भारत में शिक्षा को सदियों से ज्ञान, संस्कार और सामाजिक परिवर्तन का माध्यम माना गया है। शिक्षक को समाज में विशेष सम्मान प्राप्त रहा है क्योंकि वह केवल विषय ज्ञान ही नहीं देता, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और चरित्र का निर्माण भी करता है। किंतु पिछले कुछ दशकों में शिक्षा के क्षेत्र में जो परिवर्तन हुए हैं, उन्होंने इस आदर्शवादी अवधारणा को काफी हद तक प्रभावित किया है। विशेष रूप से प्रतियोगी परीक्षाओं की बढ़ती संख्या, सरकारी नौकरियों के प्रति आकर्षण और बेहतर करियर की दौड़ ने कोचिंग उद्योग को एक विशाल आर्थिक क्षेत्र में बदल दिया है। आज देश के अनेक शहरों में कोचिंग संस्थान शिक्षा व्यवस्था के समानांतर एक ऐसी व्यवस्था खड़ी कर चुके हैं, जिसका प्रभाव विद्यालयों, विद्यार्थियों, अभिभावकों और यहां तक कि नीतिनिमार्ताओं तक पर दिखाई देता है।

हाल के वर्षों में सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के विस्तार ने इस प्रवृत्ति को और अधिक तीव्र बना दिया है। अनेक शिक्षक और कोचिंग संचालक यूट्यूब, इंस्टाग्राम तथा अन्य माध्यमों के जरिए लाखों विद्यार्थियों तक पहुँच रहे हैं। यह अपने आप में बुरा नहीं है। तकनीक ने शिक्षा को अधिक सुलभ बनाया है और दूरदराज के क्षेत्रों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण सामग्री उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब शिक्षा का उद्देश्य ज्ञानार्जन से हटकर व्यक्तिगत ब्रांड निर्माण, प्रचार और व्यावसायिक विस्तार तक सीमित हो जाता है।

हाल ही में एक चर्चित टीवी बहस में वरिष्ठ पत्रकार अंजना ओम कश्यप द्वारा एक यूट्यूबर शिक्षक पर किया गया तंज सोशल मीडिया पर व्यापक चर्चा का विषय बना। इस घटना को लेकर लोगों की राय अलग-अलग हो सकती है। कुछ लोग इसे पत्रकारिता की तीखी टिप्पणी मानते हैं तो कुछ इसे शिक्षकों के प्रति अनादर के रूप में देखते हैं। किंतु इस विवाद ने एक महत्वपूर्ण प्रश्न अवश्य खड़ा किया है—क्या शिक्षा का क्षेत्र अब अत्यधिक प्रचार और व्यवसायीकरण की ओर बढ़ चुका है? क्या विद्यार्थियों और अभिभावकों को प्रभावित करने के लिए एक ऐसा माहौल तैयार किया जा रहा है जिसमें कोचिंग को सफलता की अनिवार्य शर्त के रूप में प्रस्तुत किया जाता है?

वास्तविकता यह है कि आज अनेक अभिभावक यह मानने लगे हैं कि बिना कोचिंग के उनका बच्चा किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफल नहीं हो सकता। यह धारणा धीरे-धीरे इतनी गहरी हो गई है कि विद्यालयी शिक्षा की उपयोगिता पर भी प्रश्नचिह्न लगने लगा है। कई परिवार अपनी आर्थिक स्थिति पर भारी बोझ डालकर बच्चों को महंगी कोचिंग में भेजते हैं। छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों से हजारों विद्यार्थी कोचिंग हब माने जाने वाले शहरों की ओर पलायन करते हैं। इस प्रक्रिया में परिवार की बचत, बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक जीवन सभी प्रभावित होते हैं।

यह स्थिति केवल विद्यार्थियों की मानसिकता का परिणाम नहीं है। इसके पीछे शिक्षा व्यवस्था की कुछ वास्तविक चुनौतियाँ भी हैं। विद्यालयों में पढ़ाया जाने वाला पाठ्यक्रम और प्रतियोगी परीक्षाओं की आवश्यकताओं के बीच अक्सर अंतर दिखाई देता है। कई प्रतियोगी परीक्षाएँ ऐसी हैं जिनमें विद्यालयी पाठ्यक्रम से बाहर के विषय, विशेष प्रकार की तार्किक



क्षमता या परीक्षा-विशिष्ट रणनीतियाँ महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। परिणामस्वरूप विद्यार्थियों और अभिभावकों को लगता है कि केवल स्कूल की पढ़ाई पर्याप्त नहीं है। इस धारणा का लाभ कोचिंग उद्योग उठाता है और स्वयं को सफलता की कुंजी के रूप में प्रस्तुत करता है।

हालाँकि यह भी स्वीकार करना होगा कि सभी कोचिंग संस्थानों को एक ही दृष्टि से नहीं देखा जा सकता। अनेक संस्थान और शिक्षक ईमानदारी से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने ऐसे विद्यार्थियों को अवसर दिए हैं जिन्हें अन्यथा बेहतर संसाधन उपलब्ध नहीं हो पाते। ऑनलाइन शिक्षा ने लाखों युवाओं तक कम लागत में अध्ययन सामग्री पहुँचाई है। इसलिए पूरे कोचिंग क्षेत्र को नकारात्मक रूप में चित्रित करना उचित नहीं होगा। समस्या उन प्रवृत्तियों से है जहाँ शिक्षा की जगह प्रचार, व्यक्तिपूजा और अवास्तविक दावे केंद्र में आ जाते हैं।

सोशल मीडिया के दौर में कुछ शिक्षकों ने स्वयं को ब्रांड के रूप में स्थापित कर लिया है। उनके वीडियो, पोस्ट और विज्ञापन लगातार विद्यार्थियों के सामने आते रहते हैं। सफलता की कहानियों को प्रमुखता से दिखाया जाता है, जबकि असफल विद्यार्थियों की संख्या पर चर्चा कम होती है। कई बार यह आभास दिया जाता है कि किसी विशेष शिक्षक या कोचिंग से जुड़ना ही सफलता की गारंटी है। जबकि वास्तविकता यह है कि किसी भी परीक्षा में सफलता अनेक कारकों पर निर्भर करती है—विद्यार्थी की मेहनत, पारिवारिक सहयोग, मानसिक स्थिति, अध्ययन संसाधन और समय प्रबंधन उनमें प्रमुख हैं।

एक अन्य चिंताजनक पहलू शिक्षा के क्षेत्र में व्यक्तिकेंद्रित संस्कृति का बढ़ना है। कुछ शिक्षक अपने विषय या संस्थान से अधिक स्वयं के प्रचार पर ध्यान देते दिखाई देते हैं।

विशाल होर्डिंग, लगातार विज्ञापन, सोशल मीडिया अभियानों और व्यक्तिगत छवि निर्माण पर खर्च होने वाले संसाधन यह प्रश्न उठाते हैं कि शिक्षा का केंद्र विद्यार्थी है या शिक्षक का ब्रांड? शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान का प्रसार होना चाहिए, न कि व्यक्तित्व का अंधानुकरण।

हिंदी माध्यम और अंग्रेजी माध्यम की कोचिंग संस्कृति की तुलना भी चर्चा का विषय बनती रही है। यह धारणा अक्सर व्यक्त की जाती है कि हिंदी माध्यम में कुछ शिक्षक अत्यधिक प्रचार पर निर्भर रहते हैं, जबकि अंग्रेजी माध्यम में संस्थान अपेक्षाकृत संस्थागत पहचान को महत्व देते हैं। यद्यपि यह विभाजन पूर्णतः सही नहीं कहा जा सकता, फिर भी यह स्पष्ट है कि सोशल मीडिया के माध्यम से व्यक्तिगत ब्रांडिंग की प्रवृत्ति कुछ क्षेत्रों में अधिक दिखाई देती है। इसका प्रभाव विद्यार्थियों पर भी पड़ता है, जो विषयवस्तु की गुणवत्ता से अधिक लोकप्रियता और फॉलोअर्स की संख्या से प्रभावित होने लगते हैं।

इस पूरे परिदृश्य में सरकार और शिक्षा नियामकों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। यदि विद्यालयी शिक्षा इतनी मजबूत हो कि प्रतियोगी परीक्षाओं की बुनियादी तैयारी वहीं से संभव हो सके, तो कोचिंग पर अत्यधिक निर्भरता स्वतः कम हो सकती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने विद्यालयी शिक्षा को अधिक कौशल आधारित और व्यावहारिक बनाने की दिशा में प्रयास किए हैं, किंतु इन सुधारों का प्रभाव व्यापक स्तर पर दिखाई देने में समय लगेगा। साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की संरचना, पाठ्यक्रम और मूल्यांकन प्रणाली में भी ऐसी पारदर्शिता और संतुलन होना चाहिए कि विद्यालयी अध्ययन और परीक्षा की अपेक्षाओं के बीच अनावश्यक अंतर न रहे।

अभिभावकों की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। उन्हें यह समझना होगा कि कोचिंग सफलता का एक साधन हो सकती है, लेकिन सफलता की एकमात्र शर्त नहीं। किसी भी संस्थान या शिक्षक के दावों को बिना जांचे-परखे स्वीकार करना उचित नहीं है। विज्ञापन और वास्तविक परिणामों के बीच अंतर को समझना आवश्यक है। बच्चों पर अनावश्यक दबाव डालने के बजाय उनकी रुचि, क्षमता और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना अधिक महत्वपूर्ण है।

विद्यार्थियों को भी यह समझने की आवश्यकता है कि कोई भी शिक्षक, चाहे वह कितना ही लोकप्रिय क्यों न हो, उनकी मेहनत का विकल्प नहीं बन सकता। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ज्ञान प्राप्ति के उत्कृष्ट साधन हैं, लेकिन उनका उपयोग विवेकपूर्ण ढंग से किया जाना चाहिए। लोकप्रियता और गुणवत्ता हमेशा एक ही चीज नहीं होतीं। किसी शिक्षक या संस्थान का चयन उसके प्रचार के आधार पर नहीं, बल्कि उसकी शैक्षणिक उपयोगिता, विषय विशेषज्ञता और विद्यार्थियों को मिलने वाले वास्तविक लाभ के आधार पर होना चाहिए।

अंततः प्रश्न किसी एक पत्रकार, एक यूट्यूबर शिक्षक या किसी विशेष संस्थान का नहीं है। वास्तविक मुद्दा शिक्षा के बढ़ते बाजारीकरण और उस मानसिकता का है जिसमें सफलता को एक उत्पाद की तरह बेचा जाने लगा है। शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति को सोचने, समझने और समाज के प्रति उत्तरदायी बनाने का है। यदि यह उद्देश्य प्रचार, ब्रांडिंग और व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा की भीड़ में खो जाता है, तो इसका नुकसान केवल विद्यार्थियों को नहीं बल्कि पूरे समाज को उठाना पड़ेगा।

समय की आवश्यकता है कि शिक्षा को पुनः उसके मूल उद्देश्य से जोड़ा जाए। विद्यालयों को मजबूत बनाया जाए, प्रतियोगी परीक्षाओं और पाठ्यक्रम के बीच संतुलन स्थापित किया जाए, कोचिंग संस्थानों के लिए पारदर्शी मानक बनाए जाएँ और विद्यार्थियों को यह विश्वास दिलाया जाए कि सफलता का सबसे बड़ा आधार उनकी अपनी मेहनत, अनुशासन और सीखने की क्षमता है। तभी शिक्षा वास्तव में राष्ट्र निर्माण का माध्यम बन सकेगी, न कि केवल एक लाभकारी व्यापार।

कब तक सरपंचों, पार्षदों के हक का उपयोग करते रहेंगे पति?

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत में लोकतंत्र की जड़ें केवल संसद, विधानसभा और बड़े राजनीतिक मंचों में नहीं, बल्कि गांवों, कस्बों और नगरों की स्थानीय संस्थाओं में भी गहराई से फैली हुई हैं। पंचायतें और नगर निकाय लोकतंत्र की वह सबसे छोटी लेकिन सबसे जीवंत इकाई हैं, जहाँ जनता अपने प्रत्यक्ष प्रतिनिधियों के माध्यम से शासन में भागीदारी करती है। इन्हीं संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए संविधान ने आरक्षण का प्रावधान किया, ताकि वे केवल घरेलू दायरे तक सीमित न रहें, बल्कि निर्णय-निर्माण की प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभा सकें। लेकिन आज एक कटु सच्चाई यह है कि अनेक स्थानों पर महिला सरपंच और महिला पार्षद केवल नाम की प्रतिनिधि बनकर रह गई हैं, जबकि वास्तविक कामकाज उनके पति या परिवार के पुरुष सदस्य संभाल रहे हैं। यही स्थिति ह्यसरपंच पतिह्व और ह्यपार्षद पतिह्व जैसी संज्ञाओं को जन्म देती है।

यह प्रश्न केवल औपचारिकता का नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा से जुड़ा हुआ है। जब कोई महिला निर्वाचित होकर पद संभालती है, तो उसके पीछे जनता का विश्वास, संवैधानिक अधिकार और राजनीतिक हिस्सेदारी होती है। यदि उसकी जगह कोई और व्यक्ति निर्णय लेता है, बैठकों में भाग लेता है या प्रशासनिक कार्य करता है, तो यह उस जनादेश का अपमान है जिसे मतदाताओं ने दिया था। महिला प्रतिनिधि के नाम पर किसी पुरुष का सत्ता चलाना न केवल लोकतांत्रिक मयार्दा का उल्लंघन है, बल्कि यह आरक्षण नीति की मूल भावना को भी कमजोर करता है।

73वें और 74वें संविधान संशोधन ने भारत में स्थानीय स्वशासन को नया आयाम दिया। इन संशोधनों के माध्यम से पंचायतों और नगर निकायों में महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित किया गया। उद्देश्य यह था कि महिलाएं पंचायतों में केवल संख्या के रूप में न दिखें, बल्कि नेतृत्व, प्रशासन, योजना-निर्माण और नीति-क्रियान्वयन में भाग लें। इससे लाखों महिलाएं स्थानीय राजनीति में आईं, जिनमें अनेक ने असाधारण क्षमता, संवेदनशीलता और जनसंपर्क का परिचय दिया। कई महिला सरपंचों ने जल, स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए। इससे यह भी सिद्ध हुआ कि अवसर मिलने पर महिलाएं किसी भी तरह पुरुषों से कम नहीं हैं।

फिर भी यह भी सच है कि व्यापक सामाजिक संरचना आज भी पितृसत्तात्मक है। गांवों में, विशेषकर उत्तर भारत के अनेक क्षेत्रों में, महिलाओं को सार्वजनिक जीवन में स्वतंत्र रूप से भाग लेने के लिए पर्याप्त सामाजिक स्वीकृति नहीं मिलती। कई बार वे पढ़ी-लिखी होते हुए भी परंपरागत दबावों, पारिवारिक नियंत्रण और भय के कारण निर्णय लेने से बचती हैं। कुछ जगहों पर तो विवाह के बाद महिला प्रतिनिधि की राजनीतिक पहचान लगभग समाप्त हो जाती है और उसका स्थान पति ले लेता है। परिणामस्वरूप उसका संवैधानिक अधिकार कागज पर तो बना रहता है, लेकिन व्यवहार में वह अधिकार परिवार के पुरुष सदस्य के हाथ में चला जाता है। यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

समस्या की जड़ केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक और



संस्थागत दोनों है। कई परिवारों में यह मानसिकता बन गई है कि महिला प्रतिनिधि का पद वास्तव में ह्यपरिवार का पदह्व है, जिसका संचालन पति या ससुर करेंगे। ऐसा सोचने वाले लोग यह भूल जाते हैं कि निर्वाचित पद किसी परिवार को नहीं, एक व्यक्ति को मिला होता है। कानून की दृष्टि से भी पदाधिकारी वही होता है जिसे जनता ने चुना है। यदि कोई दूसरा व्यक्ति उसके नाम पर निर्णय लेने लगे, तो यह प्रतिनिधि शासन की अवधारणा के विरुद्ध है। इससे न केवल महिलाओं की स्वतंत्रता सीमित होती है, बल्कि यह भविष्य की महिला नेतृत्व पीढ़ी के लिए भी गलत संदेश देता है।

हरियाणा राज्य सूचना आयोग द्वारा इस मुद्दे पर की गई टिप्पणी विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। आयोग ने स्पष्ट कहा कि महिला सरपंचों की जगह उनके पतियों का सरकारी बैठकों या प्रशासनिक कार्यों में भाग लेना गलत है। यह कथन केवल प्रशासनिक सख्ती का संकेत नहीं है, बल्कि यह इस सच्चाई की ओर भी इशारा करता है कि महिला आरक्षण को अभी भी गंभीरता से लागू करने की आवश्यकता है। यदि निर्वाचित प्रतिनिधि के अधिकार किसी और को सौंपे जाने लगें, तो फिर निर्वाचन प्रक्रिया का अर्थ ही क्या रह जाता है? आयोग की टिप्पणी ने इस बहस को फिर से राष्ट्रीय विमर्श में ला दिया कि क्या हम वास्तव में महिलाओं को सत्ता दे रहे हैं, या केवल उनका नाम इस्तेमाल कर रहे हैं?

कई लोगों का तर्क होता है कि ग्रामीण महिलाएं अक्सर अशिक्षित, अनुभवहीन या सामाजिक दबाव में होती हैं, इसलिए उनके पति प्रशासनिक काम संभाल लेते हैं। यह तर्क आंशिक रूप से सही हो सकता है, लेकिन यह समस्या का समाधान नहीं है। किसी महिला की कमजोरी के कारण उसका अधिकार उससे छीन लेना न्यायसंगत नहीं हो सकता। यदि कोई महिला पढ़ी-लिखी नहीं है, तो उसे शिक्षा दी जानी चाहिए। यदि उसमें प्रशासनिक अनुभव की कमी है, तो उसे प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। यदि सामाजिक दबाव है, तो समाज और प्रशासन को उसे सुरक्षा और सहयोग देना चाहिए। समस्या का इलाज अधिकार हस्तांतरण नहीं, बल्कि अधिकार-सशक्तिकरण है।

यहीं पर राज्य और समाज की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण हो जाती है। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों को कार्यप्रणाली, वित्तीय प्रबंधन, कानून, ग्रामसभा संचालन, विकास योजनाओं और शिकायत निवारण की उचित जानकारी दी जाए। केवल चुनाव कराकर छोड़ देना पर्याप्त नहीं है। यदि महिलाओं को नियमित प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और संस्थागत सहयोग मिले, तो वे आत्मविश्वास के साथ नेतृत्व कर सकती हैं। कई राज्यों में महिला सरपंचों के प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए गए हैं, जिनसे सकारात्मक परिणाम भी आए हैं। इससे स्पष्ट है कि महिलाएं नेतृत्व करने में सक्षम हैं, बस उन्हें अवसर और वातावरण दोनों चाहिए।

लेकिन केवल प्रशासनिक उपाय ही पर्याप्त नहीं होंगे। जब तक समाज की सोच नहीं बदलेगी, तब तक सरपंच पति और पार्षद पति की संस्कृति बनी रहेगी। गांवों और छोटे शहरों में अक्सर राजनीतिक शक्ति को पुरुष प्रभुत्व से जोड़ा जाता है। महिला को पद मिलता है, लेकिन उसे निर्णयों में अंतिम शब्द कहने की अनुमति नहीं होती।

कई बार बैठक में वह उपस्थित रहती है, पर बोलता उसका पति है। कभी-कभी अधिकारी भी महिला प्रतिनिधि की बजाय पति से संवाद करना अधिक सुविधाजनक समझते हैं। यह सुविधा लोकतंत्र के लिए हानिकारक है, क्योंकि इससे गलत प्रथा को अप्रत्यक्ष वैधता मिलती है। राजनीतिक प्रतिनिधित्व का अर्थ केवल कुर्सी पर बैठना नहीं होता। इसका मतलब है जनता की समस्याओं को समझना, प्राथमिकताओं को तय करना, संसाधनों का न्यायसंगत वितरण करना और जवाबदेही निभाना। जब महिला प्रतिनिधि की जगह कोई पुरुष यह सब करने लगता है, तो महिला की राजनीतिक पहचान क्षीण हो जाती है। इसका दीर्घकालिक प्रभाव यह होता है कि समाज में यह धारणा मजबूत होती है कि महिलाएं नेतृत्व के लिए उपयुक्त नहीं हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि महिलाएं अधिक संवेदनशील, व्यावहारिक और जनहितोन्मुख नेतृत्व भी दे सकती हैं। अनेक शोध और स्थानीय अनुभव बताते हैं कि महिला नेतृत्व कई बार पारदर्शिता और सामाजिक सरोकारों को बढ़ाता है।

योगी के मंत्री की सगाई: एक मैदान और तीन इंतजाम, वीवीआईपी, वीआईपी और आम मेहमानों के लिए अलग दुनिया; पांच गेट

खास से लेकर आम तक सबका रखा गया ध्यान, एक ही परिसर में दिखे आतिथ्य के तीन अलग-अलग रंग

अलीगढ़

यूपी के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह और उनके भाई सौरव सिंह की 14 नवंबर को सगाई है, सगाई समारोह को लेकर तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। अलीगढ़ में सेंट फिदेलिस स्कूल के पास करीब 100 बीघा क्षेत्रफल में भव्य आयोजन स्थल तैयार किया गया है। सगाई समारोह में मेहमानों के लिए तीन तरह के निमंत्रण कार्ड, सात अलग-अलग किचन और दो बड़े पंडाल बनाए गए हैं।

उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह तथा उनके भाई सौरव सिंह की 14 नवंबर को होने वाली सगाई को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। तालानगरी स्थित एक ही मैदान में मेहमानों के लिए तीन अलग-अलग व्यवस्थाएं की गई हैं।

वीवीआईपी, वीआईपी और सामान्य अतिथियों के लिए प्रवेश से लेकर



पार्किंग, बैठने और भोजन तक की व्यवस्थाएं अलग रखी गई हैं। समारोह स्थल पर 657 कारों की पार्किंग प्रस्तावित है। इसके लिए मैदान के आधे से अधिक हिस्से में लंबी-लंबी कतारें बनाई गई हैं।

गाड़ियों की आवाजाही के लिए भी अलग रास्ते निर्धारित किए गए हैं। मैदान के बड़े हिस्से में कारों की पार्किंग होगी। इसके पास ही सर्विस एरिया निर्धारित किया गया है। यहां 57 गुणा 60 फीट का फ्लावर टेंट बनाया गया है।

कर्मचारियों और मजदूरों के लिए करीब आठ छोटे टेंट रखे गए हैं। इसके अलावा 100 गुणा 80 फीट का बड़ा डिनर टेंट प्रस्तावित है। इसके बगल में स्टोर और किचन के लिए अलग ब्लॉक बनाया गया है। आसपास शौचालयों की व्यवस्था भी रखी गई है।

तीन तरह के निमंत्रण कार्ड

सगाई समारोह में मेहमानों के लिए तीन तरह के निमंत्रण कार्ड, सात अलग-अलग किचन और दो बड़े पंडाल बनाए गए हैं। समारोह में दो लाख से अधिक मेहमानों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए व्यवस्थाओं को अलग अलग हिस्सों में बांटा गया है।

मेहमानों के स्वागत से लेकर भोजन, पार्किंग और सुरक्षा तक के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। पूरे आयोजन स्थल को मुख्य रूप से दो बड़े हिस्सों में विभाजित किया गया है। इनमें एक पंडाल सामान्य मेहमानों के लिए बनाया गया है, जबकि दूसरा वीवीआईपी अतिथियों के लिए निर्धारित किया गया है।

मेहमानों को उनकी श्रेणी के अनुसार तीन प्रकार के निमंत्रण कार्ड दिए गए हैं। कार्ड के आधार पर ही आयोजन स्थल में प्रवेश और बैठने की व्यवस्था रहेगी।

बड़ी संख्या में मेहमानों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए प्रवेश और निकास के रास्तों को भी अलग-अलग तरीके से व्यवस्थित किया गया है।

वीवीआईपी के लिए अलग पंडाल, पार्किंग और किचन

दो लाख से अधिक मेहमानों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए भोजन की व्यवस्था भी बड़े स्तर पर की गई है।

इसके लिए आयोजन स्थल पर सात अलग-अलग किचन बनाई गई हैं। वीवीआईपी और वीआईपी मेहमानों के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिव्य संस्कृति भवन का किया लोकार्पण, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक भी रहे मौजूद

लखनऊ

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को लखनऊ के गुलजार उपवन पहुंचे। नवनिर्मित दिव्य संस्कृति भवन का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुईं। ब्रह्माकुमारीज की ओर से लोगों को निशुल्क राजयोग ध्यान का प्रशिक्षण दिया जाएगा।



लखनऊ में शुक्रवार को रक्षामंत्री और सांसद राजनाथ सिंह सुल्तानपुर रोड स्थित ब्रह्माकुमारीज के राजयोग प्रशिक्षण केंद्र गुलजार उपवन पहुंचे। यहां उन्होंने नवनिर्मित दिव्य संस्कृति भवन का लोकार्पण किया। इस दौरान प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहे। राजनाथ सिंह के लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचने पर ब्रजेश पाठक ने उनका स्वागत किया।

कार्यक्रम की शुरूआत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुई। ब्रह्माकुमारीज की लखनऊ सब-जोन इंचार्ज बीके राधा दीदी ने रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और अन्य अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान राजनाथ सिंह के सम्मान में विशेष गीत प्रस्तुत किया गया। कलाकारों ने सांस्कृतिक नृत्य के माध्यम से अतिथियों का अभिनंदन किया।

ब्रह्माकुमारीज के जनरल सेक्रेटरी धर्म योगी जी ने अपने संबोधन में राजनाथ सिंह को मुख्य अतिथि के बजाय कार्यक्रम का मुख्य होस्ट बताया। उन्होंने उन्हें अपना बड़ा भाई बताते हुए कहा कि सभी बाबा के बच्चे हैं। उन्होंने राजनाथ सिंह के भाजपा अध्यक्ष रहते हुए प्रधानमंत्री के नाम की घोषणा का भी उल्लेख किया। साथ ही देश की सुरक्षा और किसानों के हित में उनके योगदान की सराहना की।

बीके राधा दीदी ने बताया कि ब्रह्माकुमारीज की स्थापना के 90 साल और लखनऊ में आध्यात्मिक सेवाओं के 72 साल पूरे होने पर नवदशकोत्सव मनाया जा रहा है। नवनिर्मित दिव्य संस्कृति भवन में लोगों को निशुल्क राजयोग ध्यान का प्रशिक्षण दिया जाएगा। यहां विभिन्न आध्यात्मिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। भविष्य में दो हजार लोगों की क्षमता वाला ऑडिटोरियम बनाने की भी योजना है।

जमीन बेचने के विवाद में जीजा की हत्या, साला गिरफ्तार; बाल अपचारी भी पकड़ा

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। बहरिया के सारीपट्टी गांव में हुई रामदुलार पटेल की हत्या का पुलिस ने खुलासा किया है। हत्या के आरोप में पुलिस ने मृतक के साले भूपेंद्र कुमार पटेल को गिरफ्तार किया है। वहीं, एक बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल बाइक, जूते, पैंट और शराब की खाली बोतल बरामद की है।

पुलिस के मुताबिक, मऊआइमा के बटहा गांव निवासी उदय सिंह पटेल ने बताया था कि उनका भाई रामदुलार आठ नवंबर की शाम भूपेंद्र के साथ गया था। अगले दिन उसका शव बहरिया के सारीपट्टी गांव स्थित



खेत में मिला। उदय सिंह की तहरीर पर पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी।

पुलिस का दावा है कि पूछताछ में भूपेंद्र ने बताया कि उसकी बहन अपने बेटे के इलाज और बेटी की शादी के लिए ढाई बिस्वा जमीन बेचना चाहती थी। रामदुलार इसका विरोध करता था।

इसी बात को लेकर परिवार में विवाद चल रहा था। आरोप है कि इसी रंजिश में भूपेंद्र ने अपने बाल अपचारी साथी के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई। दोनों रामदुलार को खेत में ले गए और नायलॉन की डोरी से गला कसकर तथा मुंह दबाकर उसकी हत्या कर दी।

बहरिया पुलिस ने भूपेंद्र को 12 नवंबर को फूलपुर के बरना स्थित पेट्रोल पंप के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तारी टीम में थानाध्यक्ष मानवेन्द्र प्रताप सिंह, वरिष्ठ उप निरीक्षक अमित कुमार सिंह, चौकी प्रभारी मारुति नंदन तिवारी समेत कई पुलिसकर्मी शामिल रहें।

बीएचयू में अष्टादश पुराणों के प्रमुख प्रतिपाद्यों पर अल्पावधि पाठ्यक्रम, 20 से होगी पढ़ाई

वाराणसी।

काशी हिंदू विश्वविद्यालय का भारत अध्ययन केंद्र 20 नवंबर से आठ दिसंबर तक 'अष्टादशपुराणों के प्रमुख प्रतिपाद्य' विषय पर अल्पावधि पाठ्यक्रम आयोजित करेगा। इसमें 18 पुराणों के प्रमुख विषयों, उनके दार्शनिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व के अध्ययन पर केंद्रित शैक्षणिक गतिविधियां होंगी। भारत अध्ययन केंद्र की ओर से इसके लिए इच्छुक विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों एवं अन्य



प्रतिभागियों से सहभागिता का आह्वान किया गया है।

बीएचयू के प्रो. राजेश कुमार मल्ल त्वास के फेलो निर्वाचित

काशी हिंदू विश्वविद्यालय के पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान के महामना सेंटर आफ एक्सीलेंस इन क्लाइमेट चेंज रिसर्च के समन्वयक प्रो. राजेश कुमार मल्ल प्रतिष्ठित द वर्ल्ड एकेडमी आफ साइंसेज (त्वास) के फेलो निर्वाचित हुए हैं।

वैज्ञानिक अनुसंधान एवं अकादमिक क्षेत्र में प्रो. मल्ल के उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें इस ख्यातिलब्ध सम्मान के लिए चुना गया है।

त्वास के फेलो के रूप में वह 112 देशों के विज्ञानियों के उस अंतरराष्ट्रीय समूह में शामिल होंगे, जो विकासशील देशों में विज्ञान एवं वैज्ञानिक उत्कृष्टता को आगे बढ़ाने के लिए कार्यरत

गैर इरादतन हत्या के मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। मलवां थाना क्षेत्र में गैर इरादतन हत्या के मामले में वांछित चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। शुक्रवार को पुलिस ने सराय सहजादा गांव के चारों आरोपियों को पकड़कर न्यायालय में पेश किया।



पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों में राजकिशोर तिवारी (51), मोहित कुमार तिवारी (26), पंकज तिवारी (60) और कृपाशंकर तिवारी शामिल हैं। चारों के खिलाफ मलवां थाने में मुकदमा दर्ज था। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देश पर वांछितों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। गिरफ्तारी के बाद आरोपियों को आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी कर न्यायालय भेज दिया गया।

तेज रफ्तार वाहनों से नहीं थम रहे हादसे, तीन दिन में दो गायों की मौत

सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर। हल्दौर थाना क्षेत्र के ग्राम खासपुरा में तेज रफ्तार वाहनों की चपेट में आकर तीन दिन के भीतर दो गायों की मौत हो गई। देर रात अज्ञात वाहन की टक्कर से एक और गाय की मौत होने से ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। लगातार हो रहे हादसों के बावजूद मार्ग पर सुरक्षा के इंतजाम नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी है।

ग्रामीणों का कहना है कि मार्ग पर वाहनों की रफ्तार पर नियंत्रण के लिए लंबे समय से स्पीड ब्रेकर और डिवाइडर निर्माण की मांग की जा रही है, लेकिन अभी तक इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। तेज रफ्तार वाहनों से जहां बेजुबान पशु हादसों का शिकार हो रहे हैं, वहीं राहगीरों की सुरक्षा भी खतरे में है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द स्पीड ब्रेकर बनवाने और डिवाइडर का निर्माण पूरा कराने की मांग की है।

इस संबंध में चौकी इंचार्ज गौरव तोमर ने बताया कि मार्ग पर डिवाइडर लगाए जाएंगे, जिससे हादसों की आशंका कम हो सकेगी। उधर, ग्राम प्रधान खासपुरा ने जेसीबी की मदद से मृत गाय को गड्ढा खुदवाकर दफन करा दिया।

थानों में लंबित माल के निस्तारण में तेजी लाने के निर्देश

एसपी ने हेड मुहर्रिरों के साथ की समीक्षा बैठक, लंबित मामलों का मांगा ब्योरा

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। थानों में लंबे समय से लंबित माल के निस्तारण को लेकर शुक्रवार को पुलिस लाइन के सम्मेलन कक्ष में समीक्षा बैठक हुई। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक भी मौजूद रहे।



बैठक में एसपी ने जिले के सभी थानों के हेड मुहर्रिरों से माल निस्तारण से जुड़े मामलों की जानकारी ली। उन्होंने लंबित प्रकरणों और अब तक हुई कार्रवाई की समीक्षा करते हुए माल के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। साथ ही सभी हेड मुहर्रिरों को अभिलेखों का रखरखाव दुरुस्त रखने और लंबित मामलों को प्राथमिकता से निपटाने को कहा।

बागपत : दो पक्षों में जमकर चले लाठी-डंडे, 17 गिरफ्तार

बागपत।

उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के थाना दोघट पुलिस ने कस्बा दोघट में दो पक्षों के बीच हुए खूनी संघर्ष के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए गुरुवार को 17 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। एक बाल अपचारी के विरुद्ध भी कार्रवाई की गई है।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 11 साल का कारावास

प्रयागराज।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित सराय इनायत थाने की पुलिस टीम द्वारा की गई प्रभावी पैरवी के चलते विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट की अदालत ने गुरुवार को दुष्कर्म मामले के दोषी को 11 वर्ष के कठोर कारावास और 10 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया।

वहीं, अपहरण के मामले में पांच वर्ष का कठोर कारावास और तीन हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है।

ब्रावुरा रिजॉर्ट से लापता युवती नेपाली प्रेमी संग केरल से बरामद; होटल मैनेजमेंट की ले रही थी ट्रेनिंग

मेरठ

गौतमबुद्धनगर निवासी 20 साल की युवती होटल प्रबंधन का कोर्स करने के बाद मेरठ के ब्रावुरा होटल व रिजॉर्ट में प्रशिक्षण ले रही थी। यहीं से वह लापता हो गई थी। जांच में पता चला कि उसका प्रेम प्रसंग यहां नेपाल के युवक से हो गया, जिसके बाद दोनों यहां से चले गए थे।



परतापुर बाईपास स्थित ब्रावुरा रिजॉर्ट से लापता हुई 20 वर्षीय युवती को पुलिस ने केरल के कन्नूर जिले से बरामद कर लिया है। पुलिस ने उसके साथ मौजूद नेपाली युवक जयनारायण को भी पकड़ लिया है। दोनों पैन्नूर रेलवे स्टेशन से करीब तीन किलोमीटर दूर रह रहे थे। सर्विलांस की मदद से मिली इस सफलता के बाद परतापुर पुलिस और स्वॉट टीम दोनों को लेकर मेरठ के लिए रवाना हो गई है।

गौतमबुद्धनगर के एक गांव निवासी यह युवती होटल प्रबंधन का कोर्स पूरा करने के बाद ब्रावुरा होटल व रिजॉर्ट में रहकर प्रशिक्षण ले रही थी। गत 31 अक्तूबर को वह अचानक लापता हो गई थी। संपर्क न होने पर युवती के पिता ने अनहोनी की आशंका जताते हुए परतापुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

जांच के दौरान पुलिस को युवती की सोनू नामक युवक से दोस्ती की जानकारी मिली, जिसके बाद दोनों के मोबाइल नंबर और सोशल मीडिया अकाउंट खंगाले गए।

इस बीच युवती ने होटल मैनेजर को एक वॉयस मैसेज भेजकर अपनी लोकेशन हैदराबाद में बताई थी और फिर अपना मोबाइल बंद कर लिया था।

सर्विलांस से मिला केरल का सुराग

चार दिन पहले युवती का मोबाइल दोबारा ऑन हुआ, तो उसकी लोकेशन केरल में मिली। पुलिस ने संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन फोन फिर बंद हो गया। लगातार सर्विलांस पर नजर रखते हुए पुलिस टीम ने बृहस्पतिवार को कन्नूर से युवती को सकुशल बरामद कर लिया। एसपी सिटी विनायक गोपाल भोसले ने बताया कि युवती की बरामदगी की सूचना उसके परिजनों को दे दी गई है। टीम उसे लेकर मेरठ आ रही है और युवती के बयानों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

कार्यकर्ताओं के त्याग, परिश्रम से भाजपा को मिलेगी 2027 में ऐतिहासिक जीत : अशोक चौरसिया

यमुनापार की चारों विधानसभा सीटों पर कमल खिलाने का लक्ष्य, बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने का आह्वान

प्रयागराज।

कार्यकर्ताओं के त्याग, तपस्या, परिश्रम और संगठनात्मक एकजुटता के बल पर ही भाजपा ने विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनने का गौरव हासिल किया है। बूथ, शक्ति केंद्र और मंडल स्तर के कार्यकर्ताओं की सामूहिक शक्ति ने वर्ष 2014 और 2017 में ऐतिहासिक जीत का मार्ग प्रशस्त किया था। अब इसी समर्पण और एकजुटता के साथ वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में भी



ऐतिहासिक विजय हासिल करनी है।

यह बातें गुरुवार को सिविल लाइंस स्थित भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित प्रयागराज यमुनापार की संगठनात्मक बैठक को संबोधित करते हुए बतौर मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष अशोक चौरसिया ने कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश विकास, सुशासन, जनकल्याणकारी योजनाओं और मजबूत कानून व्यवस्था के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

शमशाबाद में तीसरी आंख का पहरा, 12 सीसीटीवी कैमरों से होगी चप्पे-चप्पे की निगरानी

थानाध्यक्ष सचिन चौधरी की पहल पर तीन प्रमुख चौराहों पर हाईटेक सुरक्षा व्यवस्था, संदिग्धों और वाहनों पर रहेगी पुलिस की पैनी नजर

फरुर्खाबाद।

उत्तर प्रदेश के फरुर्खाबाद जनपद में नगर की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए शमशाबाद पुलिस ने अहम पहल की है। थानाध्यक्ष सचिन चौधरी के नेतृत्व में नगर के तीन प्रमुख स्थानों पर 12 सीसीटीवी कैमरे लगवाए गए हैं। इससे अब प्रमुख चौराहे तीसरी आंख की निगरानी में रहेंगे।

पुलिस ने थाना चौराहा, ढाईघाट पुल और मंडी चौराहा पर चार-चार सीसीटीवी कैमरे स्थापित कराए हैं।

इन स्थानों पर दिनभर वाहनों और लोगों की आवाजाही बनी रहती है। कैमरों के माध्यम से संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की गतिविधियों पर नजर रखी जा सकेगी।

कलिकाल में राम नाम ही जीवन की नौका — संत उर्मिला दास

चंद्रशेखर यादव

सबसे तेज प्रयागराज

बहरिया। बकसेड़ा के श्री रामजानकी मंदिर का प्रांगण इन दिनों राम नाम गुंजायमान हो रहा है। विश्व कल्याणार्थ आयोजित सोलहवें सवा करोड़ श्री सीताराम नाम जप महायज्ञ के दूसरे दिन चित्रकूट धाम से पधारे संत श्री उर्मिला दास जी महाराज ने अपने अमृतमयी प्रवचनों से श्रोताओं के हृदय को भक्ति रस में डुबो दिया। उन्होंने कहा कि यह कलिकाल घोर अंधकार से आच्छादित है, इसमें जीव के उद्धार का एकमात्र प्रकाशपुंज



श्री राम नाम ही है। राम नाम के अतिरिक्त दूसरा कोई साधन नहीं, जो मनुष्य को भवसागर से पार लगा सके। महाराज जी ने भावविभोर होकर कहा कि जिस प्रकार प्यासे चातक को स्वाति की बूँद ही जीवन देती है, उसी



प्रकार कलियुग के जीव को केवल राम नाम ही तृप्ति और मुक्ति प्रदान करता है। अतः सहज भाव से, प्रेमपूर्वक निरंतर श्री सीताराम नाम का जप करना ही मानव जीवन की सार्थकता है।

गुरु महिमा का बखान करते हुए उन्होंने कहा कि गुरु बिना ज्ञान का दीप प्रज्वलित नहीं होता। बिना सद्गुरु के कोई भी प्राणी इस संसार रूपी महासागर से पार नहीं हो सकता, चाहे वह ब्रह्मा, विष्णु और महेश ही क्यों न हों। गुरु ही वह दिव्य सेतु हैं, जो जीव को अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के आलोक तक ले जाते हैं।

उल्लेखनीय है कि 12 नवंबर से बकसेड़ा स्थित श्री रामजानकी मंदिर पर सवा करोड़ सीताराम नाम जप का दिव्य अनुष्ठान चल रहा है। इसमें माता-बहनें और भक्त अनुरागी बड़े ही श्रद्धा भाव से सम्मिलित होकर नाम जप कर रहे हैं। सम्पूर्ण क्षेत्र राममय हो गया है।

इस अवसर पर डॉ. शिवकुमार केसरवानी, शारदा प्रसाद पांडेय, अनुपम त्रिपाठी, देवेश पांडेय उर्फ मुन्ना, नरेंद्र कुमार द्विवेदी, राजनाथ पटेल, पवन कुमार यादव, उमाशंकर यादव, शिव बाबू साहू सहित अनेक गणमान्य भक्त उपस्थित रहे।

शराब ठेके पर विवाद के बाद मारपीट, घायल युवक की मौत

मीरजापुर।
लालगंज थाना क्षेत्र के लहंगपुर चौकी अंतर्गत बामी गांव में शराब ठेके पर हुए विवाद के बाद मारपीट में घायल युवक की शुक्रवार सुबह मौत हो गई। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया।
बामी गांव निवासी संजय कुमार (35) का गुरुवार देर शाम अपने एक रिश्तेदार के साथ शराब ठेके पर विवाद हो गया। देखते ही देखते दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। इसमें संजय गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल ले गए, जहां से चिकित्सकों ने हालत गंभीर होने पर वाराणसी स्थित बीएचयू ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। शुक्रवार सुबह करीब छह बजे उसकी मौत हो गई।
लहंगपुर चौकी प्रभारी गुरु प्रसाद सिंह ने बताया कि मामले में परिवार की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपित की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है।

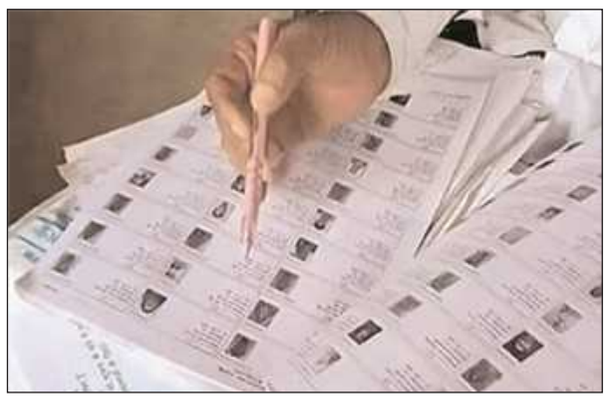
अमेठी : शादी समारोह से लौट रहे बाइक सवार युवक की मौत, भाभी और बहन गंभीर घायल

अमेठी।
उत्तर प्रदेश के अमेठी जनपद अंतर्गत रानीगंज-वारिसगंज मार्ग पर भीखनपुर के पास गुरुवार देर रात तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उसकी भाभी और बहन गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद पिकअप चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया।
मुसाफिरखाना कोतवाली क्षेत्र के लुसई का पुरवा निवासी श्याम बहादुर भाभी सनी कुमारी और बहन ऊषा के साथ जगदीशपुर कोतवाली क्षेत्र के दिछौली गांव में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होकर देर रात को बाइक से घर लौट रहा था। भीखनपुर के पास मुर्गी दाना लदे तेज रफ्तार पिकअप ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने तीनों को ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने श्याम बहादुर (20) को मृत घोषित कर दिया। वहीं, गंभीर रूप से घायल दोनों महिलाओं का उपचार जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पिकअप की रफ्तार काफी तेज थी। चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और बाइक को टक्कर मारने के बाद मौके से फरार हो गया।
सीओ मुसाफिरखाना अतुल सिंह ने शुक्रवार को बताया कि मामले में परिजनों की ओर से अभी तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

युवक की हत्या कर शव फेंका, सिर-चेहरा कुचला गया

कानपुर।
उत्तर प्रदेश में कानपुर जिले के चकेरी थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एचएएल परिसर की बाउंड्री के बाहर एक अज्ञात युवक का शव पड़ा मिला। युवक के सिर और चेहरे पर गंभीर चोटों के निशान भी मिले हैं। आशंका जताई है कि, हत्या करने के बाद पहचान छिपाने के इरादे से पत्थर से उसका सिर और चेहरा कुचला गया। घटनास्थल पर बाउंड्री का एक हिस्सा भी टूटा हुआ मिला। शव देखकर स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्रित किये। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर पड़ताल में जुट गई है।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए बार-बार नहीं भरना होगा ये फॉर्म; इसलिए बढ़ रहीं दोहरी प्रविष्टियां



बरेली
मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए बार-बार फॉर्म-6 नहीं भरना होगा। रेफरेंस नंबर नहीं मिलने पर दोबारा आवेदन से डुप्लीकेट प्रविष्टियां बढ़ रहीं हैं। आवेदन में सही मोबाइल नंबर दर्ज होने से आवेदक रेफरेंस नंबर के जरिये आवेदन की स्थिति ट्रैक कर सकेंगे।
मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म-6 भरने के बाद रेफरेंस नंबर का मेसेज नहीं आने पर अब दोबारा आवेदन की जरूरत नहीं है। दोबारा आवेदन से डुप्लीकेट प्रविष्टियां बढ़ रही हैं। इसे रोकने के लिए जिला निर्वाचन कार्यालय ने जन सुविधा केंद्र (सीएससी) संचालकों को प्रशिक्षित करने के निर्देश दिए हैं।
उप जिला निर्वाचन अधिकारी संतोष कुमार सिंह ने सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों और सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को जारी पत्र में कहा है कि फॉर्म-6 भरते समय आवेदक का वास्तविक और सक्रिय मोबाइल नंबर ही दर्ज किया जाए। सीएससी संचालक अपने मोबाइल नंबर या कोई काल्पनिक नंबर दर्ज न करें। इसी मोबाइल नंबर पर रेफरेंस नंबर भेजा जाता है।
निदेशों के मुताबिक, फॉर्म-6 का अंतिम सबमिशन ई-साइन के बाद ही होता है। आधार नंबर देने पर आधार से लिंक मोबाइल नंबर पर ओटीपी आता है। ओटीपी दर्ज कर ई-साइन सफल होने के बाद आवेदन का रेफरेंस नंबर जनरेट होता है।
आवेदन जमा होने पर स्क्रीन पर भी इसकी पुष्टि का संदेश प्रदर्शित होता है। मेसेज नहीं पहुंचने पर सीएससी संचालक स्क्रीन पर प्रदर्शित रेफरेंस नंबर का स्क्रीनशॉट लेकर आवेदक को दें या उसे नोट कराएं। इससे दोबारा आवेदन करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।
मोबाइल नंबर से डाउनलोड कर सकेंगे ई-एपिक
आवेदन में सही मोबाइल नंबर दर्ज होने से आवेदक रेफरेंस नंबर के जरिये आवेदन की स्थिति ट्रैक कर सकेंगे। दस्तावेजों, फोटो, आयु प्रमाणपत्र या पते से संबंधित कोई कमी होने पर भी उन्हें सूचना दी जा सकेगी। पंजीकृत मोबाइल नंबर की मदद से ई-ईपिक डाउनलोड किया जा सकेगा। एपिक नंबर याद नहीं होने पर भी वोटर्स सर्विस पोर्टल और ईसीआईनेट मोबाइल एप से मतदाता सूची में अपना नाम, विधानसभा क्षेत्र, मतदान केंद्र और बीएलओ की जानकारी प्राप्त की जा सकेगी।
सही पता और पिनकोड भरना भी जरूरी
उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने फॉर्म-6 पर आवास का पूरा पता और सही पिनकोड दर्ज करने पर भी जोर दिया है। पिनकोड गलत होने पर डाक विभाग स्पीड पोस्ट से भेजे गए मतदाता पहचान पत्र को वापस कर सकता है।
सीएससी संचालकों के प्रशिक्षण की जिम्मेदारी अपर जिलाधिकारी और ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर की जिला ई-गवर्नेंस सोसाइटी को दी गई है। बीएलओ, एईआरओ और ईआरओ को भी डुप्लीकेट प्रविष्टियां रोकने के निर्देश दिए गए हैं। इन निदेशों का मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार कराने के लिए कहा है।
पंचायत चुनाव मतदाता सूची से 250 नाम काटने का आरोप
पंचायत चुनाव की मतदाता सूची से आंवला के ग्राम कतरोई ठाकुरान और माजरा रुखारा के करीब 250 ग्रामीणों के नाम काटने का आरोप है। जिलाधिकारी अविनाश सिंह से इसकी निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग की गई है।

अजय साहनी मुरादाबाद परिक्षेत्र नए पुलिस उपमहानिरीक्षक, मुनिराज जी बरेली के नए डीआईजी







मुरादाबाद।
शासन ने गुरुवार रात्रि में पुलिस महकमें में बड़ा फेरबदल किया। बरेली के पुलिस उपमहानिरीक्षक अजय साहनी को मुरादाबाद परिक्षेत्र का नया डीआईजी नियुक्त किया है। वहीं मुरादाबाद के डीआईजी रहे मुनिराज जी को बरेली का नया उप महानिरीक्षक बनाया है। यह दोनों अधिकारी वर्ष 2009 बैच के हैं।
शासन ने गुरुवार रात्रि में तीन आईपीएस अधिकारियों के कार्य क्षेत्र में बदलाव किया।
पुलिस विभाग में अचानक हुए फेरबदल को आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के मद्देनजर माना जा रहा है।

मंदिर जाने का ढोंग कर रहे अखिलेश यादव: राकेश त्रिपाठी



लखनऊ।
भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव एक ओर मंदिर जाने का ढोंग कर रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर उनकी पार्टी के नेता रोज सनातन को अपमानित कर रहे हैं। इसका खामियाजा उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में मतदाता उन्हें भुगतने पर मजबूर करेगा।
राकेश त्रिपाठी ने शुक्रवार को एक वीडियो जारी कर कहा कि जानबूझकर हिन्दू देवी-देवताओं पर टिप्पणी, धर्म ग्रन्थों पर टिप्पणी, साधू संतों को अपमानित करना और हमारे पर्व त्योहारों पर जान बूझकर भ्रम फैलाना समाजवादी पार्टी ने अभ्यास बना लिया है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि यह कोई पहली बार नहीं हुआ है बार-बार सपा के नेताओं को टास्क दिया गया है कि कैसे सनातन को अपमानित करिए और मजहबी गोलबंदी करिए।

वाराणसी में नहाय-खाय के साथ शुरू हुआ लोक आस्था का महापर्व डाला छठ, घरों से घाटों तक गूंज रहे छठी मइया के गीत

रेलवे स्टेशनों, बाजारों और घरों में छठ गीतों की धूम, पूजन सामग्री की खरीदारी और गंगाघाटों ,तालाबों के तटों पर वेदी बनाने की तैयारियां तेज



वाराणसी।
लोक आस्था, सूर्य उपासना और प्रकृति के प्रति श्रद्धा का प्रतीक चार दिवसीय महापर्व डाला छठ शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया। पर्व की शुरूआत होते ही वाराणसी सहित पूरे पूर्वांचल और उत्तर प्रदेश में छठी मइया की आराधना का माहौल बन गया है। वाराणसी मंडल के रेलवे स्टेशनों से लेकर घरों और बाजारों तक छठी मइया के पारंपरिक गीत गूंज रहे हैं। 'बाट जे पूछेला बटोहिया, बहंगी केकरा के जाय...' और 'कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचकत जाए...' जैसे लोकगीतों से वातावरण भक्तिमय हो गया है।
महापर्व को लेकर व्रती महिलाओं और उनके परिजनों में खासा उत्साह है। पूर्वांचल के विभिन्न जिलों में पूजन सामग्री की खरीदारी के साथ प्रसाद तैयार करने और छठ पूजा के लिए वेदी बनाने का काम शुरू हो गया है। वाराणसी में गंगा घाटों, कुंडों और सरोवरों के किनारे श्रद्धालु पूजा स्थल तैयार करने में जुटे हैं। वहीं, प्रदेश के अन्य जिलों में भी नदियों और तालाबों के किनारे वेदी बनाने तथा पूजा के लिए स्थान सुरक्षित करने की तैयारियां चल रही हैं।
नहाय-खाय से शुरू हुई चार दिवसीय पूजा
महापर्व के पहले दिन शुक्रवार को व्रती महिलाओं ने सुबह स्नान-ध्यान कर भगवान सूर्य की आराधना की और चार दिवसीय व्रत का संकल्प लिया। इसके बाद आम की लकड़ी से मिट्टी के चूल्हे पर अरवा चावल का भात, चने की दाल और कद्दू की सब्जी तैयार कर छठी मइया को भोग अर्पित किया। शाम को व्रती महिलाएं इस प्रसाद को ग्रहण करेंगी और परिवार के सदस्यों के बीच वितरित करेंगी।शनिवार, 14 नवंबर को खरना मनाया जाएगा। इस दिन व्रती महिलाएं दिनभर निर्जल उपवास रखकर छठी मइया का ध्यान करेंगी। शाम को स्नान के बाद विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर रसियाव (गुड़ की खीर), घी लगी रोटी और केले का भोग अर्पित किया जाएगा।

प्रयागराज में 17 और 18 नवंबर को लगेगा रोजगार मेला, 40 हजार से अधिक पदों पर होगी भर्ती

100 प्रतिष्ठित कंपनियां करेंगी युवाओं का चयन, 10 हजार से 40 हजार रुपये तक मिलेगा वेतन

प्रयागराज।
युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के अंतर्गत प्रयागराज में दो दिवसीय वृहद रोजगार महोत्सव-2026 का आयोजन किया जाएगा। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय और शंभूनाथ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट, झलवा के संयुक्त तत्वावधान में 17 और 18 नवंबर को संस्थान परिसर में रोजगार मेला लगेगा। इसमें निजी क्षेत्र की 100 प्रतिष्ठित कंपनियां शामिल होंगी। कंपनियों की ओर से 40 हजार से अधिक पदों पर युवाओं का सीधे चयन किया जाएगा। चयनित अभ्यर्थियों को 10 हजार से 40 हजार रुपये तक मासिक वेतन दिया जाएगा।
सहायक निदेशक सेवायोजन राजीव कुमार यादव ने बताया कि रोजगार महोत्सव दोनों दिन सुबह 10 बजे से शुरू होगा। इसमें अलग-अलग शैक्षिक योग्यता वाले अभ्यर्थियों को शामिल होने का अवसर दिया गया है। 17 नवंबर को जूनियर हाईस्कूल, हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, स्नातक, बीए, बीकॉम, बीएससी, बीबीए, बीसीए, बीई और परास्नातक उत्तीर्ण बेरोजगार अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकेंगे।
इसी तरह 18 नवंबर को आईटीआई, डिप्लोमा, पॉलिटेक्निक, बीटेक और एमबीए उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध रहेंगे। दोनों दिन आयोजित होने वाले मेले में 18 से 45 वर्ष तक की आयु के बेरोजगार अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। रोजगार मेले में शामिल होने के लिए अभ्यर्थियों को रोजगार संगम पोर्टल पर पंजीकरण कराना होगा। साथ ही अपने सभी शैक्षिक प्रमाण पत्रों, अंकपत्रों और जाति प्रमाण पत्र की छायाप्रति लेकर पहुंचना होगा। विभिन्न कंपनियों में उपलब्ध रिक्तियों और उनसे संबंधित विस्तृत जानकारी रोजगार संगम पोर्टल १ङ्ख१ङ्ख.ल्ल्ले.४स्रॅ.ङ्ख्र५.ल्ल पर प्राप्त की जा सकती है। मेले में शामिल होने के लिए अभ्यर्थियों को किसी प्रकार का यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा।
प्रयागराज सेवायोजन सहायक निदेशक राजीव कुमार यादव ने बताया कि "युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए दो दिवसीय वृहद रोजगार महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। इसमें 100 प्रतिष्ठित कंपनियां 40 हजार से अधिक पदों पर सीधे भर्ती करेंगी। हमारी कोशिश है कि अधिक से अधिक बेरोजगार युवा इस अवसर का लाभ उठाएं। अभ्यर्थी अपनी योग्यता के अनुसार निर्धारित तिथि पर पहुंचकर चयन प्रक्रिया में प्रतिभाग करें।"

राष्ट्रपति भवन के सुरक्षा गार्ड पर हमले के दो आरोपित मुठभेड़ में गिरफ्तार, एक के पैर में लगी गोली

बागपत।
राष्ट्रपति भवन में तैनात सुरक्षा गार्ड सौरभ कुमार पर उत्तर प्रदेश में बागपत जिले के रमाला थाना क्षेत्र स्थित गांव गोपालपुर खड़ाना में दीपावली की रात जानलेवा हमला हुआ। इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुठभेड़ के बाद दोनों वांछित आरोपित धीरज और मोनू को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित धीरज के पैर में गोली लगी है। घायल दोनों आरोपितों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। दोनों आरोपितों पर 10-10 हजार रुपये का इनाम घोषित था।



पुलिस अधीक्षक पूर्णेंदु सिंह ने शुक्रवार को बताया कि दीपावली की रात गांव गोपालपुर खड़ाना में पड़ोसियों के बीच विवाद के बाद गोलीबारी हुई थी। इस दौरान राष्ट्रपति भवन में सुरक्षा गार्ड के पद पर तैनात सौरभ कुमार को गोली लग गई थी। वहीं, विनीत के सिर पर डंडा मारकर उसे घायल कर दिया था। मामले में रमाला थाना पर आरोपितों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। रमाला पुलिस आरोपितों की तलाश में जुटी थी। दोनों अपराधियों पर 10-10 हजार रुपये का इनाम घोषित था।
बीतीरात पुलिस को सूचना मिली कि दोनों आरोपित गांव के एक गन्ने के खेत में छिपे हुए हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने खेत की घेराबंदी कर दी। इस दौरान आरोपित धीरज ने भागने का प्रयास करते हुए पुलिस टीम पर गोली चला दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें धीरज के पैर में गोली लग गई। पुलिस ने मौके से ही उसे दबोच लिया।

पुलिस मुठभेड़ में हिस्ट्रीशीटर बब्बू के पैर में लगी गोली, गिरफ्तार



बहराइच।
उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शुक्रवार अलसुबह पयागपुर थाना क्षेत्र में पुलिस और एक शातिर अपराधी के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी फायरिंग में हिस्ट्रीशीटर बब्बू के दाहिने पैर में गोली लग गई। घायल अवस्था में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से अवैध तमंचा, कारतूस, चोरी के जेवर और 14,500 रुपये नकद बरामद हुए हैं। आरोपी के खिलाफ बहराइच समेत अन्य जनपदों के विभिन्न थानों में दो दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं।
13 नवंबर की भोर में पयागपुर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि रेलवे अंडरपास पुलिया के आगे एक संदिग्ध व्यक्ति चोरी की वारदात को अंजाम देने अथवा चोरी का सामान बेचने की फिराक में है। सूचना पर थाना प्रभारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घेराबंदी कर संदिग्ध की तलाश शुरू की। इसी दौरान एक व्यक्ति आता दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रोकने का प्रयास किया तो वह रेलवे ट्रैक की आड़ लेकर पुलिस टीम पर फायरिंग करने लगा।
जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली उसके दाहिने पैर में लगी और वह घायल होकर गिर पड़ा। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। उसकी पहचान बब्बू पुत्र रामप्रसाद निवासी बबया, थाना पयागपुर के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके पास से 315 बोर का एक अवैध तमंचा, एक खोखा और दो जिंदा कारतूस, सफेद धातु की नौ पायल, 11 बिछिया और 14,500 रुपये नकद बरामद हुए।
मुठभेड़ की सूचना पर घटना स्थल पर पहुँचे पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी पयागपुर थाने का हिस्ट्रीशीटर है। प्रारंभिक पूछताछ में उसने हाल ही में पयागपुर क्षेत्र में हुई एक चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया है। घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

डीएम ने पीपरपुर में कराई धान की क्रॉप कटिंग, 43.3 वर्गमीटर में 23.840 किलो उत्पादन

औरैया।
उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में जिलाधिकारी बृजेश कुमार ने गुरुवार को तहसील औरैया के राजस्व ग्राम पीपरपुर में धान की फसल की उत्पादकता का आकलन करने के लिए क्रॉप कटिंग कराई। उन्होंने कृषक प्रकाश चन्द्र पुत्र राजनरायन के खेत में अपनी मौजूदगी में निर्धारित 43.3 वर्गमीटर क्षेत्रफल में धान की कटाई कराई। इसमें 23.840 किलोग्राम धान का उत्पादन प्राप्त हुआ।
जिलाधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों को फसल क्षति होने पर क्षतिपूर्ति देने में क्रॉप कटिंग के आंकड़े महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन आंकड़ों के आधार पर फसल की वास्तविक उत्पादकता का आकलन किया जाता है और बीमित किसानों को मिलने वाली क्षतिपूर्ति निर्धारित करने में मदद मिलती है।



इस दौरान डीएम ने किसानों से संवाद कर उनकी समस्याएं और कृषि संबंधी गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने किसानों से अपनी उपज निर्धारित सरकारी धान क्रय केंद्रों पर ही बेचने की अपील की, ताकि उन्हें शासन की ओर से निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का लाभ मिल सके।
उन्होंने किसानों को फसल अवशेष (पराली) न जलाने के लिए भी जागरूक किया। कहा कि पराली जलाने से पर्यावरण प्रदूषित होने के साथ ही भूमि की उर्वरा शक्ति पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। किसान फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन कर पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करें।

पुलिस मुठभेड़ में हत्यारोपित सलमान घायल

फिरोजाबाद।
उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में थाना सिरसागंज पुलिस टीम ने बृहस्पतिवार देर रात्रि युवक की हत्या कर शव फेंकने के मामले में वांछित आरोपित आमिर उर्फ सलमान खान को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ में आरोपित के पैर में गोली लगी। पुलिस ने उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है।
सीओ सिरसागंज चंचल त्यागी ने बताया कि थाना सिरसागंज क्षेत्र अन्तर्गत 10 नवंबर को एक अज्ञात युवक का शव मिला था। बाद में उसकी पहचान बरेली जिले के शीशगढ़ निवासी फईम अहमद के रूप में हुई थी। इस मामले में हत्या और साक्ष्य छिपाने की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना में आमिर उर्फ सलमान खान निवासी अहमदपुर नामजद था। आरोपित की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की तीन टीमें लगाई गई थीं। थाना प्रभारी सिरसागंज अनिल कुमार सिंह पुलिस टीम के साथ बृहस्पतिवार की देर रात्रि क्षेत्र में गश्त पर थे। तभी सूचना मिली कि आरोपित घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और अन्य सामान छिपाने की फिराक में जा रहा है। इस पर नगला छोटे से शिकोहाबाद जाने वाले मार्ग पर चेकिंग शुरू की गई। अहमदपुर बंबा के पास पुलिस टीम ने मोटरसाइकिल सवार संदिग्ध को रोकने का प्रयास किया तो उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी।



जापान ने आंध्र प्रदेश से दुर्लभ खनिजों की नियमित आपूर्ति का आग्रह किया

विशाखापत्तनम में सीएम नायडू से मिले जापानी राजदूत

विशाखापत्तनम ।

जापान ने आंध्र प्रदेश से अपने लिए दुर्लभ खनिजों की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। हाल ही में विशाखापत्तनम में मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के साथ हुई बैठक में जापानी राजदूत केईची ओनो ने इस मुद्दे को उठाया। यह पहल महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति के क्षेत्र में भारत-जापान साझेदारी को और मजबूत करने के उद्देश्य से की गई है। आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार जापानी प्रतिनिधियों ने इस सहयोग को महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति में भारत-जापान साझेदारी के लिए अहम बताया। यह कूटनीतिक पहल आंध्र प्रदेश सरकार की राज्य के तटीय क्षेत्र को दुर्लभ खनिज तत्व गलियारे के रूप में विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना के अनुरूप है। राज्य में 16,000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में 16 प्रकार के खनिज भंडार चिन्हित किए गए हैं, जिसमें देश के समुद्र तटीय रेत खनिज भंडार का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा शामिल है, जो आंध्र प्रदेश को इन महत्वपूर्ण संसाधनों का दूसरा सबसे बड़ा भंडार बनाता है।

एचएफसीएल को 834 करोड़ के निर्यात ठेके मिले

नई दिल्ली ।

दूरसंचार उपकरण बनाने वाली कंपनी एचएफसीएल को विदेश स्थित पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी के जरिये एक अंतरराष्ट्रीय ग्राहक को ऑप्टिकल फाइबर केबल की आपूर्ति के लिए करीब 834.36 करोड़ रुपये (लगभग 88.94 करोड़ डॉलर) के निर्यात ठेके मिले हैं। ठेके जून 2027 तक पूरे किए जाएंगे। हालांकि, कंपनी ने ग्राहक की पहचान उजागर नहीं की। एचएफसीएल ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि ये ठेके कंपनी की विनिर्माण क्षमताओं, प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता और उत्पादों की गुणवत्ता में ग्राहकों के भरोसे को दर्शाते हैं। गौरतलब है कि कंपनी के निदेशक मंडल ने ऑप्टिकल फाइबर और ऑप्टिकल फाइबर केबल की विनिर्माण क्षमता बढ़ाने के लिए करीब 400 करोड़ रुपये के नए निवेश को मंजूरी दी है। प्रस्तावित विस्तार के लिए धन की व्यवस्था आंतरिक स्रोतों से जुटाई गई राशि और कर्ज के जरिये की जाएगी। इसके जुलाई 2028 तक पूरा होने की उम्मीद है।

रिन्यू आंध्र प्रदेश में 29,500 करोड़ का निवेश करेगा

विशाखापतनम ।

आंध्र प्रदेश के स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र को एक बड़ा बढ़ावा देते हुए नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी रिन्यू ने राज्य में 29,500 करोड़ रुपए के भारी निवेश की सैद्धांतिक प्रतिबद्धता जताई है। यह महत्वपूर्ण घोषणा सीआईआई साझेदारी सम्मेलन से इतर आंध्र प्रदेश के आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री नारा लोकेश और रिन्यू के चेयरमैन एवं सीईओ सुमंत सिन्हा के बीच हुई बैठक में की गई। कंपनी ने बताया कि यह निवेश दो प्रमुख स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं में किया जाएगा। इनमें दो गीगावाट (जीडब्ल्यू) की पंप्ड स्टोरेज परियोजना शामिल है, जिसके लिए 12,500 करोड़ रुपए आवंटित किए जाएंगे। दूसरी परियोजना हरित अमोनिया एवं ई-ईंधन से संबंधित है, जिसमें 17,000 करोड़ रुपए का निवेश होगा। मंत्री लोकेश ने रिन्यू की 11,000 करोड़ रुपए की पॉलीसिलिकॉन और धातुकर्म-ग्रेड सिलिकॉन परियोजना के लिए बधाई दी और कंपनी को आईआईटी तिरुपति व यूएनएसडब्ल्यू द्वारा स्थापित सौर सेल प्रोटोटाइप केंद्र के साथ सहयोग करने का न्योता भी दिया।

अक्टूबर में गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ में 6,566 करोड़ का निवेश

सितंबर के मुकाबले गोल्ड ईटीएफ में लगभग 22 फीसदी की गिरावट आई

नई दिल्ली ।

बाजार की उठापटक के बीच भी निवेशक गोल्ड और सिल्वर एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) पर भरोसा बनाए हुए हैं। अक्टूबर में इन दोनों श्रेणियों में कुल 6,566 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया, जिसमें सिल्वर ईटीएफ में अच्छी वृद्धि देखी गई, वहीं गोल्ड ईटीएफ में मामूली गिरावट रही। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार, इस कुल शुद्ध निवेश में गोल्ड ईटीएफ का हिस्सा 3,474 करोड़ रुपये और सिल्वर ईटीएफ का 3,092 करोड़ रुपये रहा। खास बात यह है कि सितंबर के मुकाबले गोल्ड ईटीएफ में लगभग 22 फीसदी की गिरावट आई, पर यह पिछले छह महीने के औसत से 45 फीसदी अधिक है।

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।



घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को हल्की तेजी के साथ बंद हुआ। दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों से बाजार पर दबाव बना रहा। इसी कारण बाजार पर अंकुश लगा रहा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर बीएसई सेंसेक्स 31.61 अंक की मामूली बढ़त के साथ 81,911.01 पर और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 44.30 अंक की तेजी के साथ 25,299.35 पर बंद हुआ। यह बढ़त मुख्य रूप से रियल्टी और वित्तीय क्षेत्रों के अच्छे प्रदर्शन के कारण आई है। जिसने बाजार को स्थिरता मिली है।

दिन के अंत में रियल्टी शेयरों ने अच्छा प्रदर्शन किया, निफ्टी रियल्टी सूचकांक तेजी के साथ शीर्ष पर रहा। इसके अतिरिक्त, निफ्टी मीडिया त, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज , निफ्टी प्राइवेट बैंक , निफ्टी इंडिया डिफेंस बढ़त के साथ बंद हुए। हालांकि, कुछ क्षेत्रों में गिरावट भी दर्ज की गई, जिसमें निफ्टी ऑटो , निफ्टी पीएसई , निफ्टी एफएमसीजी , निफ्टी ऑयलएंडगैस और निफ्टी कमोडिटीज की गिरावट के साथ बंद हुए।

प्रमुख सूचकांकों में आई हल्की तेजी के विपरीत, मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में बड़ी खरीदारी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 519.90 अंक की उछाल के साथ 62,039.00 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स ने 217.40 अंक की और भी मजबूत बढ़त दर्ज की, जो 19,706.75 पर पहुंचा।

आज सेंसेक्स पैक में, बजाज फाइनेंस, एसबीआई, बीईएल, बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक, अदाणी पोर्ट्स, एचडीएफसी बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक जैसे प्रमुख शेयरों ने हरे निशान में कारोबार किया, जिससे सूचकांक को समर्थन मिला। दूसरी ओर, एचयूएल, पावर ग्रिड, मारुति सुजुकी, टीसीएस, एमएंडएम, टाइटन, एनटीपीसी, एचसीएल टेक, एलएंडटी, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील, एशियन पेंट्स और भारती एयरटेल जैसे कई दिग्गज शेयरों में मुनाफावसूली के चलते गिरावट रही।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की तेज शुरुआत हुई। सेंसेक्स 169 अंकों की बढ़त पर कारोबार करता दिखा, जबकि निफ्टी में भी 48 अंकों का उछाल आया।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।



अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गुरुवार को 32 पैसे की गिरावट के साथ ही 94.03 पर बंद हुआ। गुरुवार को शुरुआती कारोबार में रुपया छह पैसे टूटकर 93.77 प्रति डॉलर पर आ गया। अमेरिकी डॉलर में मजबूती से घरेलू मुद्रा पर दबाव बढ़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिका में महंगाई तथा रोजगार के नवीनतम आंकड़ों से अमेरिकी कोष बॉन्ड पर प्रतिफल और डॉलर मजबूत हुए हैं। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के साथ घरेलू शेयर बाजारों में मजबूती और विदेशी पूंजी का प्रवाह रुपये को समर्थन दे सकता है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया करीब 93.73 प्रति डॉलर पर खुला। फिर टूटकर 93.77 प्रति डॉलर पर खुला जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की गिरावट है। रुपया बुधवार को छह पैसे मजबूत होकर 93.71 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.12 फीसदी की बढ़त के साथ 103.03 पर आ गया।

पिछले पांच माह से घरेलू सिलेंडर के दाम अपरिवर्तित

बांग्लादेश में 52 फीसदी की वृद्धि और पाकिस्तान में भी महंगाई की मार

नई दिल्ली ।

जहां एक ओर भारत में घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) सिलेंडर की कीमतें पिछले करीब पांच महीनों से स्थिर बनी हुई हैं, वहीं पड़ोसी देश बांग्लादेश और पाकिस्तान में उपभोक्ताओं को लगातार बढ़ती कीमतों का सामना करना पड़ रहा है। यह स्थिति भारतीय परिवारों के मासिक बजट के लिए बड़ी राहत लेकर आई है, जबकि पड़ोसियों के लिए एलपीजी अब एक महंगा बोझ बन गई है। बांग्लादेश में नवंबर में 12 किलो एलपीजी सिलेंडर का दाम 2,060 टका हो गया है, जो फरवरी से अब तक करीब 52 फीसदी की भारी वृद्धि दर्शाता है। पाकिस्तान में भी एलपीजी की कीमतें आसमान छू रही हैं; 11.8 किलो का घरेलू सिलेंडर अब लगभग 3,470 पाकिस्तानी रुपए का हो गया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान के कुछ इलाकों में यह खुले बाजार में 600 रुपए प्रति किलो तक बिक रहा है, जो आम जनता के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण स्थिति है। इसके विपरीत, भारत में 14.2 किलो वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम जून 2023 से अपरिवर्तित हैं, दिल्ली में यह 942 रुपए पर कायम है। हालांकि भारत अपनी अधिकांश एलपीजी आयात करता है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ती कीमतें तथा आपूर्ति मार्गों में रुकावट के कारण आयात लागत बढ़ी है, सरकार और सरकारी तेल कंपनियां लागत का बड़ा हिस्सा स्वयं वहन कर रही हैं। जानकारों के मुताबिक, 1,600 रुपए से अधिक की वास्तविक आपूर्ति लागत के बावजूद, ग्राहकों को केवल 942 रुपए चुकाने पड़ रहे हैं।

सोने की शुद्धता की गारंटी बढ़ी, 6 और नए जिलों में बढ़ा हॉलमार्किंग का दायरा

बिहार, दिल्ली, गुजरात, यूपी व उत्तराखंड के जिले शामिल; ग्राहकों को मिलेगी शुद्धता की गारंटी

नई दिल्ली ।



सोने की खरीदारी करने वाले ग्राहकों के लिए सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अनिवार्य गोल्ड हॉलमार्किंग का दायरा अब देश के 6 और जिलों तक बढ़ा दिया गया है, जिससे कुल 398 जिलों में बिना हॉलमार्क वाले सोने की बिक्री करना दंडनीय अपराध बन गया है। इस कदम का सीधा लाभ उपभोक्ताओं को सोने की शुद्धता की शत-प्रतिशत गारंटी के रूप में मिलेगा। उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा हाल ही में जारी अधिसूचना के तहत, भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 2016 के प्रावधानों के अंतर्गत यह चौथा संशोधन आदेश लागू किया गया है। इसके बाद, अब 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 398 जिलों में बिना बीआईएस स्टैंडर्ड मार्क और एचयूआईडी (हॉलमार्क यूनिक आइडेंटिफिकेशन) के सोने के आभूषणों का निर्माण, भंडारण या बिक्री गैरकानूनी मानी जाएगी। नए शामिल किए गए 6 जिलों में बिहार का पश्चिमी चंपारण, दिल्ली का दक्षिण पश्चिम दिल्ली, गुजरात का पंचमहल, उत्तर प्रदेश के बुलन्दशहर और संत कबीर नगर, तथा उत्तराखंड का रुद्रप्रयाग शामिल हैं। यह नियम 14के से 24के तक की विभिन्न शुद्धता वाले सोने के आभूषणों पर लागू है, और इन जिलों के सभी ज्वेलर्स को बीआईएस पोर्टल पर पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। इस विस्तार से ग्राहकों को सोने की खरीद पर धोखाधड़ी से मुक्ति मिलेगी।

हॉलमार्किंग यह सुनिश्चित करती है कि उपभोक्ता जो सोना खरीद रहे हैं, वह बिल पर दर्ज शुद्धता के अनुरूप ही हो। प्रत्येक हॉलमार्क वाले आभूषण पर मौजूद एचयूआईडी नंबर के जरिए, ग्राहक बीआईएस केयर मोबाइल ऐप पर सोने की पूरी जानकारी सत्यापित कर सकते हैं, जिससे खरीद में पूरी पारदर्शिता और विश्वास बना रहेगा।

भारत को एआई अर्थव्यवस्था में सक्रिय भागीदारी बढ़ाने की जरूरत

नई दिल्ली ।

भारत को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से बदल रही वैश्विक अर्थव्यवस्था में केवल निवेश और तकनीकी लाभ हासिल करने वाले देश के बजाय एक सक्रिय भागीदार बनना होगा। विशेषज्ञों के अनुसार एआई कारोबार, रोजगार और काम करने के तरीकों में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा। भारत के पास अपनी तकनीकी प्रतिभा व मजबूत घरेलू बाजार के दम पर इस क्षेत्र में नेतृत्व करने का बेहतरीन अवसर है, जबकि अमेरिका और चीन अभी अग्रणी हैं।

भारतीय कंपनियों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए नई तकनीकों के अनुरूप खुद को तैयार करना होगा। इस बीच, यूरोप और ब्रिटेन में कुछ कंपनियों के कम मूल्यांकन से भारतीय फर्मों के लिए विदेश में वैश्विक ब्रांड, तकनीक और कारोबारी क्षमताएं हासिल करने के अवसर बढ़े हैं, खासकर औद्योगिक, स्वास्थ्य सेवाओं और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में।



घरेलू पूंजी बाजार भी मजबूत स्थिति में है, जहां सात-आठ बड़े आईपीओ को मंजूरी मिल चुकी है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि उचित मूल्यांकन पर आईपीओ, एफपीओ और ब्लॉक डील के माध्यम से अगले वर्ष भी लगभग 50 अरब डॉलर की पूंजी जुटाई जा सकती है। विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए बेहतर विकास संभावनाओं वाली कंपनियां और मजबूत कारोबारी माहौल अनुकूल कर व्यवस्था से अधिक महत्वपूर्ण हैं।

बजाज फाइनेंस क्यूआईपी से 11,700 करोड़ जुटाएगी



नई दिल्ली ।

बजाज फाइनेंस ने कारोबार विस्तार के लिए पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिये 11,700 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाने की पेशकश शुरू की।कंपनी ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा कि निदेशक मंडल की विशेष समिति ने बैठक में पेशकश की शर्तों के अनुरूप पात्र संस्थागत खरीदारों के लिए निर्गम खोलने को मंजूरी दी।

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) ने बताया कि समिति ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के आईसीडीआर नियमों में निर्धारित मूल्य निर्धारण प्रक्रिया के आधार पर प्रति इक्विटी शेयर 992.25 रुपये का न्यूनतम मूल्य भी तय किया है।

अमूल-मदर डेयरी ने 2 से 4 रुपए तक बढ़ाए दाम

12 नवंबर से पूरे देश में नई दरें लागू

नई दिल्ली ।

महंगाई की मार झेल रहे आम लोगों को एक और झटका लगा है। देश की दो प्रमुख डेयरी कंपनियों, अमूल और मदर डेयरी, ने 12 नवंबर गुरुवार से दूध की कीमतों में 2 से 4 रुपए प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की घोषणा की है। यह वृद्धि पूरे देश में लागू होगी, जिससे रसोई का बजट और प्रभावित होगा। गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ (जीसीएमएमएफ) के अनुसार अमूल दूध की कीमतों में करीब 4 से 5 प्रतिशत तक का इजाफा हुआ है। अमूल ताजा टोंड दूध (3 फीसदी फैट) अब 2 रुपये महंगा होकर 59 रुपये प्रति लीटर मिलेगा, जबकि अमूल गोल्ड (6 फीसदी फैट) की कीमत में 4 रुपये की बढ़ोतरी हुई है, जिससे यह 74 रुपये प्रति लीटर हो गया है। इसी तरह, मदर डेयरी ने भी अपनी विभिन्न किस्मों के दाम 2 से 4 रुपये प्रति लीटर बढ़ाए हैं।



कंपनियों ने इस वृद्धि का कारण दूध उत्पादन और प्रसंस्करण लागत में लगातार हो रही वृद्धि को बताया है। पशु आहार जैसे हरा और सूखा चारा, खली, मक्का और शीरा के दाम बढ़ने के साथ-साथ पैकेजिंग फिल्म और ईंधन की कीमतों में भी इजाफा हुआ है। जीसीएमएमएफ ने यह भी बताया कि अनियमित बारिश के कारण पशुपालकों को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

स्टैंड-अप इंडिया योजना 2031 तक बढ़ी, नए उद्यमियों को मिलेगा लाभ

केंद्र सरकार ने योजना को 31 मार्च 2031 तक जारी रखने की मंजूरी दी

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने महिलाओं, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों को कारोबार शुरू करने में मदद करने वाली स्टैंड-अप इंडिया योजना को 31 मार्च 2031 तक बढ़ा दिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस विस्तार को मंजूरी दी, साथ ही योजना के तहत दिए जाने वाले कर्ज की गारंटी के लिए 4,111 करोड़ रुपये का फंड भी स्वीकृत किया। इस कदम का उद्देश्य अगले पांच वर्षों में 2.5 लाख अतिरिक्त उद्यमियों को आर्थिक सहायता प्रदान करना है। अप्रैल 2016 में शुरू हुई इस योजना ने अब तक 2.75 लाख से अधिक महिला और अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के उद्यमियों को लाभान्वित किया है। इसके तहत पात्र आवेदक 10 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये तक का बैंक ऋण प्राप्त कर सकते हैं, जिसका उपयोग नया कारोबार स्थापित करने, मशीनरी खरीदने और शुरुआती खर्चों को पूरा करने में किया जा सकता है। योजना परियोजना की कुल लागत का अधिकतम 85 फीसदी तक ऋण कवर करती है। यह योजना विनिर्माण, सेवा, व्यापार और कृषि से जुड़ी सहायक गतिविधियों में नया उद्यम शुरू करने के लिए सहायक है।

इसका मूल उद्देश्य पूंजी की कमी के कारण कारोबार शुरू करने में असमर्थ लोगों को अवसर प्रदान करना है। सरकार द्वारा स्वीकृत 4,111 करोड़ रुपए का गारंटी फंड ऋण राशि के 85 प्रतिशत तक का कवर प्रदान करेगा, जिसके लिए सामान्य गारंटी शुल्क 0.50 प्रतिशत निर्धारित है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस विस्तार से महिलाओं और वंचित वर्गों के लिए स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे, हालांकि ऋण की अंतिम मंजूरी आवेदक की पात्रता और बैंक के नियमों पर निर्भर करेगी।

किसानों को बड़ी राहत,गैर-यूरिया उर्वरकों पर रिकॉर्ड सब्सिडी

सरकार ने 62,370 करोड़ रुपये किए आवंटित

नई दिल्ली ।



केंद्र सरकार ने किसानों को बढ़ती उर्वरक कीमतों के बोझ से बचाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। गैर-यूरिया उर्वरकों पर सब्सिडी में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है, जिसके तहत पोषक तत्व आधारित सब्सिडी व्यवस्था के लिए 62,370.02 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इस फैसले से चालू वित्त वर्ष में गैर-यूरिया उर्वरकों पर कुल सब्सिडी बढ़कर रिकॉर्ड 1.03 लाख करोड़ रुपये हो जाएगी, जो बजट अनुमान से 92.41 प्रतिशत अधिक है। यह कदम अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे माल की कीमतों में तेजी, विशेषकर सल्फर में भारी वृद्धि को देखते हुए उठाया गया है। सरकार ने विशेष रूप से सल्फर पर सब्सिडी में सबसे अधिक बढ़ोतरी की है, जो 2.87 रुपये से बढ़कर लगभग 10.42 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। नाइट्रोजन पर 94.21 रुपये और फॉस्फोरस पर 66.11 रुपये प्रति किलोग्राम सब्सिडी तय की गई है। यह वृद्धि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे माल, खासकर सल्फर की कीमतों में 213 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी के जवाब में की गई है। सरकार ने घरेलू सल्फर और सल्फ्यूरिक एसिड उत्पादकों के लिए भी विशेष सहायता पैकेज घोषित किया है, जिसके तहत उन्हें वास्तविक खरीद लागत का 20 प्रतिशत समर्थन मिलेगा। आयातित और घरेलू ट्रिपल सुपर फॉस्फेट (टीएसपी) तथा आयातित मोनो-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) के लिए विशेष प्रावधानों को भी आगे बढ़ाया गया है, साथ ही सिंगल सुपर फॉस्फेट (एसएसपी) पर मालभाड़ा सब्सिडी जारी रहेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम से जटिल एनपी और एनपीकेएस उर्वरकों की कीमतों को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी, जिनका घरेलू उत्पादन लागत बढ़ने के कारण प्रभावित हुआ था। यह निर्णय उर्वरक कंपनियों को उत्पादन बढ़ाने और किसानों को संतुलित पोषक तत्वों वाले उर्वरकों के उपयोग के लिए प्रोत्साहित करेगा।

प्रत्यक्ष कर संग्रह में मजबूत उछाल,लक्ष्य का 53 फीसदी

नई दिल्ली । सरकारी आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष में 1 अप्रैल से 10 नवंबर के बीच देश का प्रत्यक्ष कर संग्रह 11.76 प्रतिशत बढ़कर लगभग 14.42 लाख करोड़ रुपये हो गया है। यह आंकड़ा सरकार के वार्षिक लक्ष्य का 53 प्रतिशत दर्शाता है, जो राजस्व संग्रह में मजबूत गति का संकेत है। इस अवधि में, शुद्ध कॉरपोरेट कर संग्रह 18 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 6.32 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि व्यक्तिगत करदाताओं, कंपनियों और हिंदू अविभाजित परिवारों (एचयूएफ) से प्राप्त शुद्ध गैर-कॉरपोरेट कर संग्रह 5.3 प्रतिशत बढ़कर लगभग 7.56 लाख करोड़ रुपये हो गया। प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) से मिलने वाले राजस्व में 52 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई, जो 54,078 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। सरकार ने इस दौरान करदाताओं को 3.08 लाख करोड़ रुपये का रिफंड भी जारी किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 26 प्रतिशत अधिक है। सकल आधार पर प्रत्यक्ष कर संग्रह 14 प्रतिशत बढ़कर 17.50 लाख करोड़ रुपये रहा। सरकार ने चालू वित्त वर्ष के लिए प्रत्यक्ष करों से 26.97 लाख करोड़ रुपये जुटाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है, जिसमें से 10 नवंबर तक 53 प्रतिशत से अधिक का लक्ष्य हासिल कर लिया गया है।

महायोगी गुरु गोरखनाथ की जागर से भक्तिमय हुआ उत्तराखण्ड महोत्सव का मंच



लखनऊ। उत्तराखण्ड महोत्सव-2026 के भव्य उद्घाटन समारोह में आर्ट्स एंड कल्चरल ग्रुप, कल्याणपुर, लखनऊ द्वारा महायोगी गुरु गोरखनाथ की महिमा पर आधारित पारंपरिक जागर की भावपूर्ण प्रस्तुति दी गई। मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ के सान्निध्य में हुई इस प्रस्तुति ने समारोह को विशेष आध्यात्मिक गरिमा प्रदान की।

महायोगी गुरु गोरखनाथ भारतीय योग परंपरा, साधना, तपस्या एवं आध्यात्मिक चेतना के महान प्रतीक हैं। जागर के माध्यम से कलाकारों ने उत्तराखण्ड की लोकआस्था, भक्ति और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का मनोहारी चित्रण किया। कामना बिष्ट के निर्देशन में प्रस्तुत इस जागर ने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। सभी कलाकारों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का स्नेह एवं आशीर्वाद प्राप्त हुआ। उन्होंने प्रस्तुति की सराहना करते हुए कलाकारों के बीच आकर आशीर्वाद प्रदान किया।

प्रस्तुति में कामना बिष्ट (निर्देशन), शोभा पटवाल, कृतिका रावत, गार्गी घुघत्याल, रिया सिंह, गरिमा, लाल सिंह बिष्ट, विजय सिंह बिष्ट, रुचिका, निहारिका, मोहित जीना, महेंद्र सिंह नेगी, वेदांत बिष्ट, सचिन एवं विजय बिष्ट ने सहभागिता की। कार्यक्रम का संचालन भरत सिंह बिष्ट ने किया। गुरु गोरखनाथ जी की जागर देखने के लिए हजारों की संख्या में दर्शक उपस्थित रहे। यह प्रस्तुति गुरु गोरखनाथ जी की आध्यात्मिक परंपरा और देवभूमि उत्तराखण्ड की लोकसंस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में एक सराहनीय प्रयास रही।

सार संक्षेप

सेंट्रल एकेडमी झूंसी में यातायात जागरूकता अभियान का भव्य आयोजन



प्रयागराज। यातायात माह नवंबर 2026 के अंतर्गत यातायात पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज एवं उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति, शाखा प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में सेंट्रल एकेडमी स्कूल, झूंसी में भव्य जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा, यातायात नियमों के पालन, साइबर अपराधों से बचाव तथा नारी सशक्तिकरण के प्रति जागरूक करना रहा। यह विशेष अभियान 30 नवंबर तक चलेगा।

यह अभियान समिति के प्रादेशिक चेयरमैन कमलेश श्रीवास्तव एवं वाइस चेयरमैन डॉ. आर.एस. वर्मा (पूर्व आईएएस) के मार्गदर्शन में संचालित हो रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य डॉ. आनंद कुमार पांडेय ने की। इसमें शंकरदेव त्रिपाठी, राकेश कुमार मिश्रा, यातायात निरीक्षक इंद्रपाल वर्मा तथा समिति के सचिव संतोष कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। यातायात निरीक्षक इंद्रपाल वर्मा ने विद्यार्थियों को हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, गति सीमा का पालन करने, वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करने और सड़क पार करते समय सावधानी बरतने के बारे में बताया।

उन्होंने कहा कि यातायात नियम चालान से बचने के लिए नहीं, बल्कि जीवन बचाने के लिए हैं। समिति के सचिव संतोष कुमार ने साइबर अपराध, ऑनलाइन धोखाधड़ी, अनजान लिंक, ओटीपी साझा करने के नुकसान और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग की जानकारी दी। साथ ही मिशन शक्ति एवं नारी सशक्तिकरण के तहत महिलाओं-बालिकाओं की सुरक्षा व अधिकारों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में समिति की ओर से विशाल श्रीवास्तव, कयामुद्दीन, यासीन अहमद, शेख अर्जुन सिंह, मोहम्मद शहीद, संदीप सोनी एवं आशीष श्रीवास्तव ने सहयोग दिया। विद्यालय की ओर से सुनीता उपाध्याय, सरिता पांडेय, विनय शुक्ला, चारुल, स्मिता, सत्येंद्र कुमार, मोहम्मद अरशद, आशीष त्रिपाठी, दीक्षा त्रिपाठी, शिखा मुखर्जी एवं आशीष तिवारी का योगदान रहा। यातायात विभाग से आरक्षी अवनीश कुमार, प्रशांत यादव एवं विपिन कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन हसन ए नकवी ने किया। अंत में प्रधानाचार्य डॉ. आनंद कुमार पांडेय ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए आधुनिक कृषि अनुसंधान को प्राथमिकता दें : मुख्यमंत्री फडणवीस

नागपुर। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि जलवायु परिवर्तन का सबसे अधिक प्रभाव कृषि क्षेत्र पर पड़ रहा है। अनियमित वर्षा और जल संकट के कारण खेती के सामने नई चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए अनुसंधान, कुशल मानव संसाधन तैयार करना, नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देना आवश्यक है। मुख्यमंत्री रामटेक तहसील के कवडक में श्री दत्ता मेघे फाउंडेशन द्वारा संचालित स्वर्गीय दत्ता मेघे स्मृति सभागार, नंदकिशोर जायसवाल कृषि महाविद्यालय और शालिनीताई दत्ता मेघे पशु चिकित्सालय के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का उद्घाटन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने किया। इस अवसर पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, राज्य के राजस्व मंत्री एवं नागपुर के संरक्षक मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, कृषि राज्य मंत्री आशीष जायसवाल, स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. पंकज भोयर, शालिनीताई मेघे, समीर मेघे, सागर मेघे समेत शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों की कई प्रमुख हस्तियां मौजूद थीं।

छठ भारतीय संस्कृति का अनूठा महाव्रत: डॉ. गौरी शंकर



जयंत शर्मा

जमुई। चार दिवसीय छठ महा पर्व को लेकर नगर परिषद जमुई के महाराजगंज स्थित स्थानीय व्यवहार न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं सरकारी वकील प्रभात कुमार भगत के विधि शाला सह संवाद कक्ष में छठ महत्व को लेकर एक परिचर्चा आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता स्वयं श्री पीके भगत ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में मुंगेर विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र स्नातकोत्तर विभाग के वरिष्ठ सहायक प्राचार्य डॉ.गौरी शंकर पासवान ने छठ पर्व के महत्व पर कहा कि छठ महापर्व भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक चेतना और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का अनुपम उदाहरण है। यह पर्व सूर्यदेव एवं छठी मैया की आराधना के माध्यम से परिवार के स्वास्थ्य, संतान की दीघार्यु, सुख-समृद्धि और लोककल्याण की कामना का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व त्याग, तपस्या, शुद्धता, संयम और आत्म अनुशासन की परीक्षा है। छठ पूजा तन की तपस्या और मन की पवित्रता, जल, थल व आकाश का अद्भुत और आध्यात्मिक संगम है। इस पर्व की सबसे बड़ी अनुपम विशेषता इसकी सहजता और सामाजिक समानता है। छठ के घाट पर अमीरी नहीं श्रद्धा की ऊंचाई मापी जाती है। छठ व्रत में संध्या अर्घ्य और उषा अर्घ्य सिर्फ सूर्य को ही नहीं बल्कि जीवन दायिनी प्रकृति को धन्यवाद देने का माध्यम है। स्थानीय सिविल कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं सरकारी वकील प्रभुात कुमार भगत ने अध्यक्षीय प्रबोधन में छठ के महत्व पर कहा कि छठ महापर्व की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां पूजा के लिए किसी भव्य मंदिर, मूर्ति अथवा पुरोहित की अनिवार्यता नहीं होती। नदी, तालाब, पोखर अथवा स्वच्छ जलाशय ही पूजा स्थल बन जाते हैं। गरीब-अमीर, ऊंच-नीच और जाति-वर्ग का भेद मिटाकर सभी श्रद्धालु एक घाट पर सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करते हैं। उन्होंने कहा कि मंदिर से परे मानवता और प्रकृति की उपासना का पवित्र पर्व है छठ व्रत। गरीब और अमीर एक ही घाट पर सूर्य उपासना करें यही छठ महाभारत का सामाजिक दर्शन है।

केकेएम कॉलेज के अर्थशास्त्री प्रो.सरदार राय ने कहा कि छठ महाव्रत नहाय-खाय, खरना, संध्या अर्घ्य और उषा अर्घ्य के चार दिवसीय अनुष्ठान मनुष्य को पवित्रता, त्याग, संयम, अनुशासन और प्रकृति संरक्षण की शिक्षा देते हैं। एसपीएस महिला कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर *संजीव कुमार सिंह* ने कहा कि महाभारत में सूर्यपुत्र कर्ण की सूर्यभक्ति तथा द्रौपदी की सूर्योपासना से जुड़ी मान्यताएं इस छठ परंपरा की धार्मिक महिमा को और समृद्ध करती हैं। श्रीकृष्ण के पुत्र शांब की सूर्य आराधना भी भारतीय सूर्योपासना की महत्वपूर्ण पौराणिक कथा है। छठ पर्व की महिमा बिहार अप ही नहीं विश्व के अधिकांश देशों में मनाया जाता है।

शिक्षा मंत्री ने केंद्रीय विद्यालय संगठन की तीन डिजिटल पहल शुरू की

नई दिल्ली। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के उद्देश्यों को पूरा करने की दिशा में एक कदम उठाते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने गुरुवार को केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) की तीन प्रमुख डिजिटल पहलों का उद्घाटन किया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इन पहलों में एआई-युक्त 'विद्या समीक्षा केंद्र' (वीएसके), जिसमें 'समीक्षा' एआई बॉट शामिल है–'केवीएस संवाद' पैरेंट कनेक्ट ऐप और वेब पोर्टल, तथा 'केवीएस एलुमनाई कनेक्ट' पोर्टल शामिल हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि इन तीन पहलों की शुरूआत, तकनीक-आधारित, पारदर्शी और कुशल प्रशासन की दिशा में केवीएस की यात्रा में एक बड़ा मील का पत्थर है। बयान में कहा गया है कि केवीएस मुख्यालय के आईटी सर्विस सेल द्वारा इन प्लेटफॉर्म्स को आंतरिक रूप से विकसित किया गया है। इनका उद्देश्य जरूरी जानकारी और सेवाओं को एक क्लिक पर उपलब्ध कराना है, जिससे अभिभावकों, छात्रों, शिक्षकों और प्रशासकों का कीमती समय और मेहनत बच सके। इस अवसर पर बोलते हुए जोशी ने इन पहलों को सभी केंद्रीय विद्यालयों, सभी कक्षाओं और सभी स्थानों तक विस्तारित करने का आह्वान किया।

बयान के अनुसार, उन्होंने सभी संबंधित पक्षों (स्टेकहोल्डर्स) को निरंतर सीखने का दृष्टिकोण अपनाने, परिणामों का आकलन करने और उन क्षेत्रों में सुधार करने के लिए प्रोत्साहित किया, जहां सुधार की आवश्यकता है। जोशी ने सुझाव दिया कि इस पहल को केवीएस से आगे बढ़ाते हुए 'स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग' के सहयोग से पूरे स्कूली शिक्षा तंत्र के छात्रों तक पहुंचाया जाना चाहिए।

46वीं जूनियर नेशनल तीरंदाजी चैंपियनशिप में वेदांता आर्चरी अकादमी के कुलदीप महतो ने जीता स्वर्ण और कांस्य पदक

बोकारो, झारखंड। युवा खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और खेल उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए, वेदांता आर्चरी अकादमी के प्रतिभाशाली तीरंदाज कुलदीप महतो ने 46वीं जूनियर नेशनल तीरंदाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया. राजस्थान के जयपुर में आयोजित इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में कुलदीप ने व्यक्तिगत ओलंपिक राउंड स्पर्धा में स्वर्ण पदक और टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर बोकारो, झारखंड और अकादमी का गौरव बढ़ाया.

इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर रवीश शर्मा, एवं ने कुलदीप को बधाई देते हुए कहा, में हमारा मानना है कि खेल न केवल युवाओं की प्रतिभा को निखारते हैं, बल्कि उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का भी विकास करते हैं. राष्ट्रीय स्तर पर कुलदीप महतो की यह शानदार उपलब्धि उनकी कड़ी मेहनत, समर्पण और दृढ़ संकल्प का प्रमाण है. वेदांता आर्चरी अकादमी के माध्यम से हमारा निरंतर प्रयास है कि स्थानीय प्रतिभाओं को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण, बेहतर सुविधाएं और आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर मिलें, ताकि वे राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकें.

मैं कुलदीप और उनके कोच बुद्धेश्वर मुर्मू को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देता हूं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं.

कुलदीप की यह सफलता द्वारा जमीनी स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने और ग्रामीण एवं स्थानीय क्षेत्रों की प्रतिभाओं को उचित अवसर उपलब्ध कराने के निरंतर प्रयासों का परिणाम है.

वेदांता आर्चरी अकादमी के माध्यम से युवा तीरंदाजों को पेशेवर प्रशिक्षण, आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएं, विशेष खेल उपकरण, पोषण संबंधी सहायता और राष्ट्रीय एवं अन्य प्रतिस्पर्धी मंचों पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के अवसर प्रदान किए जाते हैं.

मुजफ्फरपुर में टीचर्स ऑफ बिहार के संस्थापक शिव कुमार का आत्मीय आगमन

मुजफ्फरपुर। बिहार की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार के संस्थापक एवं बिहार के शिक्षकों को एक साझा मंच पर जोड़कर शैक्षिक बदलाव की दिशा में कार्य कर रहे शिव कुमार अपनी जीवनसंगिनी स्वाति कुमारी के साथ मुजफ्फरपुर भ्रमण पर पहुँचे। इस अवसर पर टीचर्स ऑफ बिहार के टेक्निकल टीम लीडर एवं इंजीनियर शिवेंद्र प्रकाश सुमन के आवास पर एक आत्मीय मिलन समारोह आयोजित किया गया। इसमें प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के विभिन्न टीमों से जुड़े सदस्यों ने उपस्थित होकर फूलों का गुलदस्ता, अंगवस्त्र, डायरी, कलम एवं चंदन का पौधा भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया तथा उनके साथ संवाद और विचारों का आदान-प्रदान किया।इस मिलन समारोह में केवल औपचारिक मुलाकात ही नहीं हुई, बल्कि बिहार की शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए चल रहे सामूहिक प्रयासों, शिक्षकों की रचनात्मक क्षमता, शैक्षिक नवाचारों और संगठन की विभिन्न गतिविधियों पर भी आत्मीय चर्चा हुई।

1984 दंगों पर सैम पित्रोदा के बयान से भड़के तरुण चुघ, बोले- दर्द की कोई एक्सपायरी डेट नहीं होती



नई दिल्ली। भाजपा सांसद तरुण चुघ ने इंडियन ओवरसीज कांग्रेस (आईओसी) के अध्यक्ष सैम पित्रोदा पर तीखा हमला बोला। पित्रोदा ने 1984 के सिख-विरोधी दंगों के मुद्दे को बार-बार उठाने की प्रासंगिकता पर सवाल उठाया था, जिस पर चुघ ने कहा कि दर्द की कोई एक्सपायरी डेट नहीं होती। समाचार एजेंसी आईएएनएस के साथ एक खास इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि क्या 1984 के सिख-विरोधी दंगों के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए, तो पित्रोदा ने कहा कि 40 साल पहले हुई घटनाओं पर बार-बार चर्चा करने का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राम के समय क्या हुआ था जैसी बातों में उलझने के बजाय, एक समृद्ध राष्ट्र बनाने पर ध्यान दिया जाना चाहिए। पित्रोदा की इस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए तरुण चुघ ने राहुल गांधी के राजनीतिक गुरु (सैम पित्रोदा) पर आरोप लगाया कि उन्होंने अपनी बात से सिख समुदाय के जख्मों पर नमक छिड़कने का काम किया है।

भाजपा नेता ने कहा: "एक बार फिर अपनी सिख-विरोधी मानसिकता दिखाते हुए, उन्होंने (सैम पित्रोदा) कहा है कि लोगों को 40 साल पहले जो हुआ उसे भूल जाना चाहिए और 'आगे बढ़ जाना' चाहिए। कांग्रेस नेताओं ने हजारों सिखों को जिंदा जला दिया, हजारों घर तबाह कर दिए, लाखों लोगों को बेघर कर दिया और कई पीढ़ियों को बर्बाद कर दिया और आप उनसे कह रहे हैं कि वे आगे बढ़ जाएं?"

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए चुघ ने पूछा कि क्या पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं को सिख समुदाय को पहुंचाया गया दर्द दिखाई नहीं देता?भाजपा नेता ने कहा, "क्या दर्द की कोई एक्सपायरी डेट होती है? दर्द को भरने के लिए मरहम की जरूरत होती है, और मरहम के लिए न्याय चाहिए। आज तक गांधी-नेहरू परिवार ने माफी तक नहीं मांगी है। इसके उलट, कांग्रेस पार्टी ने नरसंहार के उन आरोपियों को पनाह दी, जिन्होंने वोटर लिस्ट का इस्तेमाल करके सिखों की पहचान की, उनके गले में टायर डाले और उन्हें जिंदा जला दिया।"

कांग्रेस पर सिख-विरोधी दंगों को भड़काने में शामिल रहे अपने नेताओं का गुणगान करने का आरोप लगाते हुए चुघ ने कहा कि राहुल गांधी के मेंटर सैम पित्रोदा का यह बयान कांग्रेस पार्टी की शर्मनाक मानसिकता को दशार्ता है।

इससे पहले आईएएनएस के साथ बातचीत में पित्रोदा ने कहा: "वह 40 साल से भी ज्यादा पुरानी बात है। लोग बस पुरानी बातों को खोदते रहते हैं। आइए भविष्य की ओर देखें। आगे बढ़ें। आइए सभी के लिए एक बेहतर, समृद्ध और शांतिपूर्ण राष्ट्र का निर्माण करें। हमारा एजेंडा यह होना चाहिए, न कि यह कि राम के समय क्या हुआ था, या हनुमान कहां गए थे, या उन्होंने पहाड़ क्यों उठाया था?"

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

सलाहकार संपादक: रिजवान सैफ खान

सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,

सह संपादक: राम सिंह यादव

उक्त सभी पद अवैतनिक है

सुपरटेक इको विलेज-2 में कायस्थ परिवारों ने धूमधाम से मनाया चित्रगुप्त अवतरण दिवस



ग्रेटर नोएडा वेस्ट। ग्रेटर नोएडा एक्सटेंशन स्थित सुपरटेक इको विलेज-2 में कायस्थ समाज के लोगों ने भगवान श्री चित्रगुप्त जी महाराज का अवतरण दिवस श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर सोसायटी के सभी चित्रांश बंधु एवं कायस्थ परिवार सोसायटी के मंदिर में एकत्रित हुए। यहां भगवान श्री चित्रगुप्त जी महाराज की प्रतिमा के समक्ष विधिवत पूजा-अर्चना की गई। सभी ने सामूहिक रूप से चित्रगुप्त चालीसा का पाठ किया तथा आरती में भाग लिया।

दिल्ली में होगा चौथा इंडो-यू के लीडरशिप समिट

नई दिल्ली। लंदन के कमकस क्लिनिक और इंटरनेशनल बुक ऑफ ऑनर' के संयुक्त तत्वावधान में 'चौथा इंडो-यूके लीडरशिप समिट 2026' आगामी 15 नवंबर 2026 को नई दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में संपन्न होगा।

"राष्ट्रों को जोड़ना, नेतृत्व को प्रेरित करना और वैश्विक शांति को बढ़ावा देना" की थीम पर आधारित इस समिट में सांसद, अंतरराष्ट्रीय नेता, वैज्ञानिक, स्वास्थ्य सेवा पेशेवर, शिक्षाविद और उद्यमी एक साथ आएंगे। वे भारत के प्राचीन ज्ञान और आधुनिक वैज्ञानिक प्रगति के बीच के संबंधों पर चर्चा करेंगे। इसमें मुख्य रूप से मानसिक स्वास्थ्य, वैश्विक स्वास्थ्य सेवा, संस्कृत की अंतरराष्ट्रीय प्रासंगिकता, वैदिक मनोविज्ञान वैदिक मनोचिकित्सा और 'विकसित भारत 2047' के भारत के विजन जैसे विषयों पर चर्चा की जाएगी। शामिल होने वाली प्रमुख हस्तियों में रामदास अठावले, रमेश अवस्थी, प्रो. एस. पी. सिंह बघेल, उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) रमाकांत पांडे और आईएएस अधिकारी दीपक कुमार शामिल हैं।इस समिट की एक महत्वपूर्ण पहल उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय के साथ अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग है, जिसके तहत वैदिक मनोविज्ञान और वैदिक मनोचिकित्सा में एमएससी (टू) और डिप्लोमा कार्यक्रम विकसित किए जाएंगे।

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी